RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 27 अंक : 171 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बुधवार, 11 जून, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2 l00 रु l | पेज: 8

पीएम से मुलाकात से पहले मंत्रियों का कोविड टेस्ट अनिवार्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में कोविड के केस लगातार बढ़ते जा रहे हैं। देश भर में कोविड मरीजों की संख्या 7 हजार से ऊपर पहुंच गई है। इसी बीच बड़ा फैसला लिया गया है, लिहाजा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करने से पहले मंत्रियों के लिए भी RT-PCR (कोविड टेस्ट) अनिवार्य कर दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक ये फैसला सावधानी और सुरक्षा के तहत लिया गया है, ताकि किसी भी संभावित संक्रमण से बचा जा सके। दरअसल, बता दें कि कल शाम पीएम मोदी से उनके आधिकारिक आवास, 7 लोक कल्याण मार्ग पर विदेश से लौटे डेलिगेशन ने मुलाकात की थी, लिहाजा डेलिगेशन के सदस्यों के लिए भी कोविड-19 टेस्ट अनिवार्य किया गया था। ये कदम सुरक्षा प्रोटोकॉल (शेष पृष्ठ-4 पर)

सेल्फी के बहाने राजा की हत्या का था प्लान!

शिलांग कोर्ट में पेश किए गए सभी आरोपी

शिलांग (एजेंसी)। इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड के सभी आरोपियों को शिलॉन्ग पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने सभी आरोपियों को मेडिकल जांच और थाने में औपचारिकताओं के बाद कोर्ट में पेश किया है। इसी बीच जानकारी आ रही है कि शिलॉन्ग पुलिस ने सोनम और राज को एक ही थाने में रखा है, जहां आज दोनों का आमना-सामना हो सकता है।

शिलॉन्ग पुलिस के सूत्रों का कहना है कि पुलिस ने सभी आरोपियों को उसी थाने में रखा है, जहां सोनम को रखा गया है। बताया जा रहा है कि सोनम और राज एक ही थाने में हैं, जहां आज दोनों का आमना-सामना हो सकता है। सभी आरोपियों को शिलांग पुलिस के कमांडो सुरक्षा घेरे में रखा है।

इससे पहले जानकारी आई थी कि मंगलवार को करीब 11 बजे गुवाहाटी एयरपोर्ट पहुंचने के बाद वह दोपहर तक शिलॉन्ग के सदर अस्पताल थाने पहुंची। वहां से उसे मेडिकल के लिए गणेश अस्पताल ले जाया गया, जहां दो घंटे तक जांच चली।

शाम करीब साढ़े तीन बजे सोनम को दोबारा थाने लाया गया। आज कोर्ट में सभी आरोपियों को पेश किया गया। जहां पुलिस ने उसकी रिमांड की मांग की। इस बीच केस के चार अन्य आरोपी भी शिलॉन्ग पहुंचे जिनकी मेडिकल जांच के बाद उन्हें भी कोर्ट में पेश किया। जांच में खुलासा हुआ है कि सोनम ने सेल्फी के बहाने राजा को पहाड़ी से धक्कादेने का प्लान बनाया था। पुलिस के मुताबिक हमलावरों ने राजा रघुवंशी पर हमला किया तो वह हमलावरों पर भारी पड़ा। जिसके बाद पीछे से उसके सिर पर कुल्हाड़ी से वार किया गया। एसटीएफ भी सभी आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

महिला को गले लगाने वाले भाजपा के जिलाध्यक्ष पार्टी से निष्कासित

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले के बीजेपी अध्यक्ष अमर किशोर कश्यप को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। पार्टी दफ्तर में महिला के साथ उनका एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसे लेकर काफी बवाल मचा था। नोटिस के बाद संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर कश्यप के खिलाफ एक्शन हुआ है। (शेष पृष्ठ-4 पर)

भारतीय जनता पार्टी, उत्तर प्रदेश

पॉश सोसायटी के फ्लैट में माँ-बेटे ने खाया जहर

● फ्लैट में मिले इंसुलिन के इंजेक्शन और ओआरएस के पैकेट

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा शहर की पॉश सोसायटी में रहने वाले माँ-बेटे ने जहरीला पदार्थ खा लिया। गंभीर हालत में उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना थाना फेस-3 क्षेत्र के क्लियोकाउंटी सोसाइटी की है।

सेक्टर-11 में रहने वाले प्रदीप अग्रवाल ने पुलिस को सूचना दी कि उनकी (55 वर्षीय) बहन सीमा गर्ग पत्नी स्व. सुधीर गर्ग व उनका भांजा सिद्धार्थ गर्ग (25 वर्ष) उनका फोन नहीं उठा रहे हैं। इस सूचना पर थाने से पुलिस टीम प्रदीप अग्रवाल के साथ क्लियोकाउंटी पहुंची। पुलिस टीम ने सोसायटी के मेंटेनेंस स्टाफ, सिक्योरिटी सुपरवाइजर व अन्य लोगों की मदद से बड़ी मशक्कत के बाद फ्लैट का दरवाजा खोला। पुलिस टीम के भीतर पहुंचने पर उन्हें सीमा गर्ग व उसका बेटा सिद्धार्थ बेहोशी की अवस्था में पड़े हुए मिले। प्रारंभिक जांच में पुलिस को प्रतीत हुआ कि दोनों ने जहरीला पदार्थ खाया हुआ था। दोनों को तुरंत सेक्टर-39 स्थित (शेष पृष्ठ-4 पर)

मेट्रो हॉस्पिटल के बेसमेंट में लगी आग

फिजियोथेरेपी सेंटर में हुई घटना, जनहानि नहीं

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-11 स्थित मेट्रो हॉस्पिटल के बेसमेंट में बुधवार सुबह करीब 8 बजे आग लग गई। हॉस्पिटल में आग लगने की सूचना मिलने के तुरंत बाद फायर सर्विस यूनिट ने मौके पर पहुंचकर आग को पूरी तरह बुझा दिया और स्मोक एक्सट्रैक्शन सिस्टम की मदद से धुएं को बाहर निकाला। इस घटना में कोई जनहानि की जानकारी सामने नहीं आई है। आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है।

शुरुआती जांच के अनुसार आग की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। आग फिजियोथेरेपी सेंटर के बेसमेंट में लगी, जिसके कारण धुआं हॉस्पिटल (शेष पृष्ठ-4 पर)

गर्मी से उबला उत्तर प्रदेश झांसी में 46 डिग्री पारा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी पड़ रही है। बुधवार को झांसी का तापमान 46 डिग्री के पार निकल गया। प्रदेश के एक दर्जन से ज्यादा ऐसे शहर रहे जहां तापमान 43 डिग्री के पार रहा। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार आज पश्चिमी उत्तर प्रदेश और बुंदेलखंड में भीषण गर्मी पड़ सकती है। पूर्वी यूपी के कुछ जिलों में जरूर मौसम मंगलवार की तुलना में थोड़ा बेहतर हो सकता है। आगरा व उरई में भी पारा 45 डिग्री पर है। 17 जिलों में लू की चेतावनी जारी की गई है।

प्रदेश में हीटवेब की चेतावनी है। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है। स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने सभी अस्पतालों के अधीक्षकों को निर्देश दिया है कि हीटवेब के मरीजों के लिए कूलिंग वार्ड तैयार रखा जाए। उनके उपचार संबंधी सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखें। (शेष पृष्ठ-4 पर)

ठेकेदारी के विवाद में मारपीट

नोएडा (चेतना मंच)। ठेकेदारी के विवाद में दोस्त के घर पर पहुंचकर मारपीट व तोड़फोड़ करने के आरोप में दो आरोपियों को थाना ईकोटेक वन पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने कम रेट पर ठेका लेने के विवाद में अपने दोस्त के घर पर जाकर उसके पिता के साथ मारपीट की थी।

ग्राम इमलिया निवासी टीटू ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 9-10 जून की रात्रि को वह अपने घर पर परिजनों के साथ सोया हुआ था। इस दौरान गांव का ही रहने वाला चिंकू व शेखर शराब के नशे में अपने साथी के साथ उसके घर पर पहुंचे और उसके पिता कमल सिंह के साथ गाली-गलौज करने लगे। शोर शराबा सुनकर वह भी मौके पर आ गया और गाली गलौज का विरोध किया जिसके बाद आरोपियों ने पत्थर व डंडों से वार कर उसकी गाड़ी में तोड़फोड़ कर दी। भीड़ इकट्ठा होते देखकर आरोपी फायरिंग कर जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने (शेष पृष्ठ-4 पर)

पुरानी रंजिश में हुआ बवाल दो पक्षों के कई लोग घायल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जेवर क्षेत्र के ग्राम मोहबलीपुर में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। मारपीट के दौरान लाठी डंडे चले और पथराव हुआ। थाना जेवर पुलिस ने दोनों पक्षों के 19 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। जेवर पुलिस को मंगलवार को सूचना मिली कि ग्राम मोहबलीपुर में दो पक्षों के बीच मारपीट हो रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने आपस में मारपीट कर रहे लोगों को समझाने का प्रयास किया लेकिन दोनों पक्षों के लोग शांत नहीं हुए। पुलिस की मौजूदगी में भी दोनों पक्ष एक-दूसरे के साथ गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी देते रहे। किसी तरह पुलिस ने दोनों पक्षों को शांत कराया। इस दौरान झगड़ा कर रहे दोनों पक्षों के लोग मौके पर इकट्ठा हुई भीड़ का फायदा उठाकर फरार हो गए। झगड़े में घायल दोनों पक्ष के लोगों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। (शेष पृष्ठ-4 पर)

साली को क्रेटा देने पर भड़का जीजा पत्नी को पीटकर घर से निकाला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। साली की शादी में दूल्हे को क्रेटा गाड़ी देने पर जीजा इतना नाराज हुआ कि वह अपनी पत्नी से मारपीट करने लगा। पत्नी को वह ताने मारता कि तेरे बाप ने शादी में उसे स्विफ्ट कार दी और तेरी बहन को दहेज में क्रेटा कार दी है। आरोपी युवक अपनी पत्नी पर मायके से क्रेटा कार लाने का दबाव बनाने लगा। मांग पूरी ने होने पर उसने अपनी पत्नी को मारपीट कर घर से निकाल दिया। पीड़िता ने थाना रबूपुरा में अपने पति के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया है।

थाना रबूपुरा क्षेत्र की रहने वाली कोमल (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसकी शादी वर्ष 2016 में मेरठ निवासी अंकुर त्यागी के साथ हुई थी। पीड़िता के मुताबिक वर्ष-

2025 में उसकी छोटी बहन की शादी हुई जिसके बाद उसके पति ने उसे दहेज के लिए उत्पीड़ित करना शुरू कर दिया। कोमल के मुताबिक उसकी शादी में उसके पिता ने दहेज में स्विफ्ट कार दी थी जबकि उसकी छोटी बहन की शादी में क्रेटा कार दी थी। इस बात से अंकुर त्यागी उसे तथा परिजनों से नाराज था। अंकुर ने उस पर दबाव बनाए कि वह अपने पिता से कहकर उसे क्रेटा कार दिलवाए। उसने जब इस बात से इनकार किया तो उसके साथ (शेष पृष्ठ-4 पर)

दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री को दी जन्मदिन की बधाई

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष तथा दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री कैप्टन विकास गुप्ता के जन्मदिन पर आज बधाईयों का तांता लगा रहा। सेक्टर-28 स्थित उनके आवास के बाहर आज धूमधाम से जन्मदिन मनाया गया। इस मौके पर भाजपा के सैकड़ों नेता, कार्यकर्ता वैश्य समाज के कई पदाधिकारी, उद्योगपति आदि ने कैप्टन विकास गुप्ता को जन्मदिन की बधाई दी।

इस अवसर पर नोएडा मीडिया क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी, महासचिव जयप्रकाश सिंह, सचिव जगदीश शर्मा, कोषाध्यक्ष मनोज वत्स तथा वरिष्ठ पत्रकार अरुण सिंह ने भी गुलदस्ता भेंट करके कप्तान विकास गुप्ता को जन्मदिन की बधाई दी। इस मौके पर वहीं अग्रवाल मित्र मंडल के अध्यक्ष व तुषार गोयल, संजय गोयल, अग्रवाल मित्र मंडल के कोषाध्यक्ष अनुज गुप्ता समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे।

चोरी की कार के साथ गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी पुलिस ने एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से गत दिनों लुहारली टोल के पास से चोरी की गई स्विफ्ट डिजायर कार व एक तमंचा कारतूस बरामद किया है। थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने कोट नहर वाले रास्ते से सौरव मावी पुत्र कृष्ण मावी निवासी लुहारली को गिरफ्तार किया। इसके पास से स्विफ्ट डिजायर कार, तमंचा, कारतूस बरामद हुए। पूछताछ में सौरभ मावी ने बताया कि उसने अपने एक दोस्त के साथ मिलकर 6 जून की रात को लुहारली टोल के पास से इस कार को चोरी किया था। पुलिस आरोपी के दूसरे साथी की भी तलाश कर रही है आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया है।

काली स्कॉर्पियो में तमंचा व कारतूस बरामद

नोएडा (चेतना मंच)। अवैध असलाह लेकर आपराधिक वारदात को अंजाम देने के इरादे से घूम रहे दो बदमाशों को पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से दो तमंचे, कारतूस व स्कॉर्पियो गाड़ी बरामद की हैं।

थाना दनकौर प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम बिलासपुर रोड बिजली घर कस्बे में गश्त कर रही थी। इस दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि काले रंग की बिना नंबर की स्कॉर्पियो में एक बदमाश नाजायज असलाह लेकर घूम रहा है जो किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने दनकौर की तरफ से आने वाले वाहनों की चेकिंग

शुरू कर दी। इस दौरान मुखबिर के इशारे पर पुलिस टीम ने बिना नंबर की स्कॉर्पियो कार को जांच के लिए रोका। स्कार्पियो सवार ने भागने का प्रयास किया लेकिन पुलिसकर्मियों ने उसे दबोच लिया। तलाशी में उसके पास से तमंचा का कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम आशीष बैसला पुत्र शिवकुमार निवासी ग्राम ननुआ का राजपुर दनकौर बताया। थाना प्रभारी के मुताबिक (शेष पृष्ठ-4 पर)

कालकाजी के भूमिहीन कैंप पर बुलडोजर एक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में भाजपा सरकार बनने के बाद अवैध अतिक्रमण के खिलाफ बुल्डोजर एक्शन जारी है। मद्रासी कैंप, वजीरपुर के बाद अब दिल्ली के कालकाजी के भूमिहीन कैंप पर बुलडोजर की करवाई की जा रही है। पूरे इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है।

इससे पहले सोमवार को दिल्ली विकास प्राधिकरण ने उच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद दक्षिण दिल्ली के कालकाजी एक्सटेंशन में भूमिहीन कैंप के सभी निवासियों को एक आधिकारिक नोटिस जारी किया, जिसमें उन्हें अवैध झोपड़ियों के आगामी विध्वंस को देखते हुए अपने परिसर खाली करने का निर्देश दिया गया। (शेष पृष्ठ-4 पर)

बोलेरो की टक्कर से भाई-बहन घायल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। यमुना एक्सप्रेसवे पर बोलेरो कार की टक्कर लगने से बाइक सवार भाई-बहन घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है। इस संबंध में बोलोरो पिकअप चालक के खिलाफ थाना रबूपुरा में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

मूल रूप से एटा के रहने वाले अरविंद कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 6 जून को उनका बेटा निर्मल कुमार अपनी फुफेरी बहन दिव्या शाक्य के साथ बाइक से यमुना एक्सप्रेसवे होते हुए नोएडा जा रहा था। आगरा से नोएडा 22 किलोमीटर के पास एक बोलेरो पिकअप के चालक ने बिना इंडिकेटर दिए अचानक गाड़ी मोड़ ली जिस कारण उनका बेटा संतुलन

खो बैठा और बाइक टकरा गई। इस हादसे में निर्मल और दिव्या दोनों घायल हो गए। दोनों को गंभीर हालत में उपचार के अस्पताल में भर्ती कराया गया। दिल्ली एम्स में भर्ती दिव्या की हालत गंभीर बनी हुई है।

पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पीड़ित द्वारा उपलब्ध कराए गए गाड़ी नंबर के आधार पर आरोपी चालक की तलाश की जा रही है।

हनीमून पर मर्डर

पिछले एक पखवाड़े में इंदौर से विवाह के तुरंत बाद मेघालय हनीमून पर गए राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम के अचानक लापता होने की गुत्थी ने पूरे देश का ध्यान खींचा। हालांकि, 23 मई को लापता होने के बाद राजा का शव दो जून को बरामद हो गया था, लेकिन सोनम के लापता होने की घटना निरंतर देशवासियों को परेशान करती रही। यहां तक कि मेघालय के लोगों के शेष भारत के लोगों के साथ कथित आक्रामक व्यवहार के नाम पर मेघालय के खिलाफ सोशल मीडिया पर अतिरंजित टिप्पणियां तक की जाती रहीं। लेकिन मेघालय पुलिस की गहन छानबीन के बाद इंदौर के तीन लोगों की गिरफ्तारी के बाद सोनम का उत्तर प्रदेश के गाजीपुर पुलिस के समक्ष समर्पण करना, इस पूरे कांड की कहानी ही बदल देता है। सवाल उठे कि मेघालय के जिस ईस्ट खासी हिल्स जिले में राजा का शव मिला वहां से एक हजार किलोमीटर से अधिक दूरी पर उ.प्र. के गाजीपुर सोनम कैसे पहुंची। अब इस रहस्यमय मामले पर से मेघालय, उत्तर प्रदेश व मध्यप्रदेश की पुलिस पर्दा उठाने की कोशिश में है। इंदौर के राजा दंपति का हनीमून मनाने मेघालय जाना, फिर दोनों का गायब होना, राजा का शव बरामद होना तथा सोनम के लापता होने का घटनाक्रम किसी फिल्मी कहानी की तरह आगे बढ़ता रहा। अब सोनम के परिजन उसे बेगुनाह बताने की कोशिश में हैं तो राजा का परिवार दोषियों को सजा देने की मांग कर रहा है। लेकिन सारे मामले में सोनम की भूमिका, उसके पिता की फर्म के कर्मचारी की गिरफ्तारी तथा सोनम की रहस्यपूर्ण ढंग से गाजीपुर पहुंचने की कहानी कई संदिग्ध सवालों को जन्म दे रही है। लोगों के दिमाग में सवाल हैं कि दोनों परिवारों की सहमति से 11 मई को हुई शादी का यह दुखांत क्यों? हालांकि, राजा की हत्या बहुत ही सुनियोजित तरीके से की गई, लेकिन गाइड द्वारा राजा-सोनम के साथ तीन अन्य लोगों की उपस्थिति की बात ने मेघालय पुलिस को हत्या के तार जोड़ने में मदद की। दरअसल, शिलांग पुलिस ने बताया था कि इंदौर के एक व्यक्ति की हत्या में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिसमें हनीमून के दौरान हत्या की साजिश रचने वाली उसकी पत्नी भी शामिल है। अब तक रहस्यमय तरीके से लापता बहू के मिलने की प्रतीक्षा कर रहे राजा के परिवार को हकीकत जानकर सदमा लगा है। मेघालय पुलिस के दावे के बाद उन्होंने सोनम की तसवीरें जलाकर गुस्सा जाहिर किया है। सार्वजनिक विमर्श में ये सवाल उठाये जा रहे हैं कि जब दोनों परिवारों की सहमति से विवाह हुआ तो यह दुखांत क्यों? हाल के दिनों में मेरठ व देश के अन्य भागों में प्रेमी से मिलकर पति की हत्या करने के कई मामलों ने विवाह संस्था पर मंडराते संकट पर चिंता बढ़ाई है। सवाल उठा है कि परिवार की सहमति से धूमधाम से विवाह रचाने वाली सोनम ने आखिर ऐसा घातक कदम क्यों उठाया? जैसा कि बताया जा रहा है कि उसने अपने पुराने प्रेम संबंधों के लिये राजा को अपनी राह से हटाया। उसने खुद ही मेघालय की फ्लाइट बुक की और सुनियोजित तरीके से भारी-भरकम गहनों के साथ कथित हनीमून पर निकली। कभी पति-पत्नी के जिन रिश्तों को जन्म-जन्मांतर का साथ बताया जाता था, उन्हें हाथ की मेहंदी सूखने से पहले कत्ल किया जाना, हमारे समाज में बढ़ती संवेदनहीनता व अविश्वास को ही उजागर करता है। आखिर क्यों विवाह से पूर्व आरोपी ने घर वालों को दो टूक नहीं कहा कि वह किसी और से प्यार करती है? क्या उसे कथित अपने प्यार को पाने के लिये राजा की जान लेनी जरूरी थी? क्यों अपने व ससुराल पक्ष के लाखों रुपये शादी के नाम पर यूं ही जाया किये? घर में शादी की रौनक के बीच बेटे की लाश के आने का ग़म राजा के परिवार को सालों साल सालता रहेगा। निश्चित रूप से यह घटना करोड़ों रिश्तों में एक हुई है, लेकिन समाज में अविश्वास के बीज बोती तो नजर आती है। लोग ऐसी घटना का उल्लेख करते हुए होने वाले तथा हो चुके रिश्तों को संशय की दृष्टि से देखेंगे। जो किसी स्वस्थ समाज के लिये शुभ संकेत कदापि नहीं हैं।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि हे ब्राह्मणों! तुमने विचार कर शाप नहीं दिया। राजा ने कुछ भी अपराध नहीं किया। आकाशवाणी सुनकर सब ब्राह्मण चकित हो गए। तब राजा वहाँ गया, जहाँ भोजन बना था॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

तहँ न असन नहिं बिप्र सुआरा। फिरेउ राउ मन सोच अपारा॥
सब प्रसंग महिसुरन्ह सुनाई। त्रसित परेउ अवनीं अकुलाई॥

(देखा तो) वहाँ न भोजन था, न रसोइया ब्राह्मण ही था। तब राजा मन में अपार चिन्ता करता हुआ लौटा। उसने ब्राह्मणों को सब वृत्तान्त सुनाया और (बड़ा ही) भयभीत और व्याकुल होकर वह पृथ्वी पर गिर पड़ा॥

दो0-भूपति भावी मिटइ नहिं जदपि न दूषन तोर।
किएँ अन्यथा दोइ नहिं बिप्रश्राप अति घोर॥

हे राजन! यद्यपि तुम्हारा दोष नहीं है, तो भी होनहार नहीं मिटता। ब्राह्मणों का शाप बहुत ही भयानक होता है, यह किसी तरह भी टाले टल नहीं सकता॥

अस कहि सब महिदेव सिधाए। समाचार पुरलोगन्ह पाए॥
सोचहिं दूषन दैवहि देहीं। बिरचत हंस काग किए जेहीं॥

ऐसा कहकर सब ब्राह्मण चले गए। नगरवासियों ने (जब) यह समाचार पाया, तो वे चिन्ता करने और विधाता को दोष देने लगे, जिसने हंस बनाते-बनाते कौआ कर दिया (ऐसे पुण्यात्मा राजा को देवता बनाना चाहिए था, सो राक्षस बना दिया)॥

(क्रमशः...)

मोदी शासनः एक रुद्र बनाम रौद्र रूप

गर्व कीजिए कि हम भारतीय हैं!

सदैव लोककल्याणकारी देवाधिदेव महादेव के दरबार में एक रुद्र का मतलब ग्यारह होता है। सनातन धर्म में यह बेहद कल्याणकारी अंक समझा जाता है। इस नजरिए से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राजनीतिक क्लोन भारतीय जनता पार्टी के देशव्यापी शासन के छठवीं पारी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की निरंतरता के 11 वर्ष पूरे होने पर देशवासियों यानी हर हिंदुस्तानी को गर्व तो होना ही चाहिए। क्योंकि इसी वर्ष पाकिस्तान द्वारा प्रोत्साहित और चीन-अमेरिका द्वारा उकसाए हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद दी गई जवाबी प्रतिक्रिया में भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारी संयुक्त सेनाओं ने जो अपना रौद्र रूप दिखलाया है, वह काबिलेतारीफ है। इसने दुनियावी महाशक्तियों को अपनी हद में रहने अन्यथा दुष्परिणाम झेलने का दो टूक संदेश दिया है।

कहना न होगा कि भारतीयों की यह महानतम उपलब्धि अनायास नहीं है, बल्कि मोदी सरकार की ग्यारह वर्षीय सैन्य साधना का चमत्कार है। यह आरएसएस के शताब्दी वर्ष को और भाजपा को 45 वर्ष पूरे करने की सलामी है, जिसे जनसंघ को विघटित किये जाने के पश्चात एक नया रूप दिया गया था। वैसे तो जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी-दीन दयाल उपाध्याय, पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी बाजपेयी-पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी और मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी-गृहमंत्री अमित शाह सरीखे सैकड़ों-लाखों संघ पुरुषों के त्याग-बलिदान के बाद यह शुभ दिन देखने को मिल रहा है, इसलिए युगपुरुष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विशेष बधाई के पात्र हैं, क्योंकि उन्होंने जिस शिद्दत से यह महानतम उपलब्धि हासिल की है और विभिन्न उपलब्धियों की जो विश्वयव्यापी श्रृंखला बनाई है, वह अनुकरणीय है। इसके लिए मोहन भागवत जैसे विभिन्न संघ प्रमुखों व उनके लाखों स्वयंसेवकों व भाजपा कार्यकर्ताओं के त्याग व बलिदान को भी नहीं भुलाया जा सकता है।

कहना न होगा कि %विदेशी एजेंट्स% के तौर पर कार्य करने वाले कतिपय भारतीय राजनेताओं ने जिस भाजपा को सियासी अछूत और साम्प्रदायिक पार्टी करार देने में कोई कोताही नहीं बरती, आज उसी की राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियां व सूबाई रणनीति इन राजनेताओं के राजनीतिक अस्तित्व को ही समाप्त करती जा रही हैं। अमेरिका और चीन जैसे अंतरराष्ट्रीय दोगले देशों के साथ चूहे-बिल्ली का खेल खेलते हुए भारत अब दुनिया की बड़ी आर्थिक व सैन्य शक्ति बन गया है। आर्थिक रूप से शक्तिशाली देशों की सूची में भारत जहां वर्ष 2014 में 10वें स्थान पर था, वह अब 2025 में 4थे स्थान पर पहुंच चुका है। हमारी अर्थव्यवस्था अब उछलकर विश्व के चौथे स्थान पर जा पहुंची है।

कहने का तातपर्य यह कि जिस ब्रिटेन ने दुनियाभर पर राज्य किया, वह तो कब का भारत से पिछड़ गया, वहीं अब धनकुबेर जापान को भी भारत ने पछाड़ दिया है और अपनी हठधर्मिता से दुनिया को दो विश्व युद्ध की सौगात देने वाले और तीसरे संभावित विश्वयुद्ध की पृष्ठभूमि तैयार करने वाले जर्मनी को आर्थिक चकमा देकर भारत कब दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बन जायेगा और फिर अमेरिका-चीन से आर्थिक होड़ शुरू कर देगा, इसमें ज्यादा अवधि नहीं बची है! क्या यह देशवासियों के खुश होने का वक्त नहीं है?

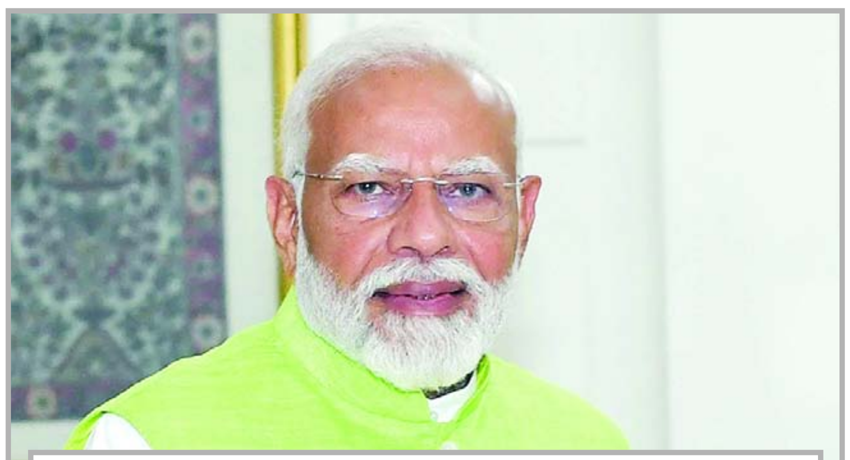

आंकड़े बताते हैं कि 1947 में आजादी मिलने के बाद साल 2014 तक यानी लगभग 70 वर्षों में देश महज 2 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी ही बना पाया था। ऐसा इसलिए कि हमारी सरकारें विदेशियों के मुंह पोछते रहने की आत्मघाती नीतियों पर चल रही थीं।

आंकड़े बताते हैं कि 1947 में आजादी मिलने के बाद साल 2014 तक यानी लगभग 70 वर्षों में देश महज 2 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी ही बना पाया था। ऐसा इसलिए कि हमारी सरकारें विदेशियों के मुंह पोछते रहने की आत्मघाती नीतियों पर चल रही थीं। वहीं, राष्ट्रवादी सरकार की 4थी से 6 ठी पारी के बीच यानी 11 साल बाद भारतीय अर्थव्यवस्था 4.2 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बन चुकी है। अब भारत का तात्कालिक लक्ष्य तीसरे स्थान पर चल रहे जर्मनी को पछाड़कर 2028 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनना है। मतलब साफ है कि एक विकासशील देश से विकसित देश बनने को आतुर भारत का अगला शिकार जर्मनी होगा। तब भारत की अर्थव्यवस्था से आगे सिर्फ चीन और अमेरिका रह जाएंगे, जो हमसे पिछले कई दशकों से मजबूत प्रतिद्वंद्विता करते आए हैं।

ऐसे में हम विगत 11 सालों में मोदी सरकार या एनडीए सरकार पास हुई या फेल, इस विवाद को हम विपक्षी राजनीतिक पार्टियों के लिए छोड़ते हैं। जबकि बाकी काम जनता जानती है और उसके पास जवाब देने के लिए अनेक अवसर हैं। जो असंभव को संभव बनाने का कार्य मोदी सरकार ने किया है, वह हम सबके सामने है। चाहे राम मंदिर निर्माण हो, जम्मू-कश्मीर से धारा 370 की समाप्ति हो और तीन तलाक़ नामक कुप्रथा की समाप्ति, आदि.... ऐसे बड़े काम हैं जो पिछली सरकारें कभी नहीं कर पातीं।

लेकिन अब हमारी निगाहें 22 साल बाद यानी 2047 के विकसित भारत की ओर लगी हैं। वर्तमान अमृत काल खंड सबको आकर्षित कर रहा है। माना कि वह साल हम लोग और हमारी वर्तमान पीढ़ी नहीं देख पाएगी। या जो सौभाग्यशाली होंगे, वो देख पाएंगे। पर भारत को विकसित राष्ट्र बनते हमारे बच्चे देखेंगे और हम उनकी आंखों से देखेंगे। कहना न होगा कि विगत 11 सालों में भारत की गतिशील अर्थव्यवस्था का रास्ता खुद ही नहीं खुला, बल्कि टीम मोदी प्रशासन की अथक तैयारियों के साथ खोला गया है। यदि एपल, स्टारलिंक और टेस्ला जैसी बड़ी अमेरिकी कंपनियां अमेरिका की बजाय भारत में अपना उद्योग लगाना चाहती हैं तो कोई तो बात हुई होगी इन 11 वर्षों में? जबकि कुछ लोगों ने दंगों-फसादों में ही झुलसते रहने का ही ठेका ले लिया है?

आप गौर कीजिए कि आखिर अब ऐसा कौन-सा मोर्चा बचा हुआ है जिस पर भारत मजबूत न हुआ हो? क्योंकि कोई भी देश मजबूत अर्थव्यवस्था वाला देश तभी बनता है जब वह हर मोर्चे पर मजबूत हुआ हो। यही वजह है कि ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया ने भारत की मजबूती देखी। भारत के हमलों की मार पाकिस्तान के उस परमाणु भंडार तक पहुंच गई जिसमें अमेरिका और चीन भी अपने अपने परमाणु हथियार रखे हुए हैं। भारत द्वारा 9 आतंकी ठिकाने और 11 एयरबेस उड़ाने की आग जब परमाणु भंडार की तरफ बढ़ी, तो अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंफ और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के पसीने भी छूटने लगे। फिर भारत ने आत्मशक्ति से अर्जित आत्मसंयम की मिसाल भी दुनिया के सामने खड़ी कर दी।

आप जरा गौर कीजिए, बीते कुछ महीनों-सालों में पाकिस्तान में पनवाड़ी से लेकर मोची तक और सिपाही से लेकर सेनाध्यक्ष मुनीर तक सभी परमाणु हमले की धमकी बार-बार दिया करते थे। लेकिन भारत के ब्रह्मोस की रेंज में जब सरगोधा के बाद किराना हिल्स भी आ गई तब अमेरिका तक किस तरह घबरा गया। चीन किस तरह से अमेरिका की चिरौरी करने लगा। वही आक्रमण था जब पाकिस्तानी सेना ने गिड़गिड़ाते हुए सीजफायर की गुहार भारतीय सेना से लगाई।

अच्छा हुआ, वसुधैव कुटुंबकम का पथप्रदर्शक भारत मान गया, लेकिन यदि न मानता तो आज पाकिस्तान का वजूद ही मिट गया होता। उसके बाद चीन अपनी कुटिल चालें चल रहा है। अमेरिका का नेतृत्व पागल की तरह भारत से व्यवहार कर रहा है। लेकिन देखते रहिए, भारत की यह सैन्य शक्ति तथा बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था ही इस महान देश को विकसित राष्ट्र और वैश्विक महाशक्ति बनने के रास्ते पर ले जाएगी।

हमारे देश को जरा और आगे बढ़ने तो दीजिए? हमारे महान भारत को, हमारे कुशल भारतीयों को! उनका रौद्र रूप और शिव तांडव जब दुनिया देखेगी, तो अचंभित रह जायेगी। क्योंकि विश्व को सत्य व अहिंसा का नया पाठ पढ़ाने के लिए हमलोग दुनियावी तांडव जरूर दिखाएंगे, आज नहीं तो निश्चय कल। इसलिए चेत जाए हिंसक-प्रतिहिंसक दुनिया!

- कमलेश पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

'मेक इन इंडिया' इलेक्ट्रिक कारों का भविष्य

इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रयोग से वायु प्रदूषण को बड़ी हद तक कम किया जा सकता है, क्योंकि इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग से ग्रीन हाऊस गैसों का उत्सर्जन लगभग न के बराबर होता है। कई बार यह भी कहा जाता है कि जिस बिजली का उपयोग इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी को चार्ज करने के लिए किया जाता है, यदि वो कोयले या गैस से बनती है तो अप्रत्यक्ष रूप से इलेक्ट्रिक वाहन कुछ हद तक और भी ग्रीन हाऊस गैसों का उत्सर्जन करते हैं। यह भी सही है कि ईवी वाहनों के निर्माण के समय भी जरूर कुछ हद तक प्रदूषण फैलता है, लकिन यदि ईवी वाहनों के कुल जीवन को देखा जाए तो पेट्रोल, डीजल, गैस आदि से चलने वाले वाहनों के मुकाबले इलेक्ट्रिक वाहनों में कहीं कम ग्रीन हाऊस गैसों का उत्सर्जन होता है। इसीलिए घनी आबादी वाले शहरों में, जहां वाहनों से आने वाला धुआं बड़ी मात्रा में हवा को प्रदूषित करता है, इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग शहरों को अधिक स्वस्थ और रहने योग्य बनाने में सहायक हो सकता है। साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन के साथ यदि नवीकरणीय स्त्रोतों से भी बिजली का उत्पादन हो, स्मार्ट ग्रिड का विकास हो और स्वच्छ बैटरी उत्पादन और उनकी रीसाईकलिंग की भी व्यवस्था भली भांति की जाए तो शहरों की हवा को ठीक करने में इलेक्ट्रिक वाहनों का बड़ा योगदान हो सकता है। इसलिए दिल्ली और अन्य महानगरों के वातावरण को बेहतर करने और उन्हें रहने योग्य बनाने में इलेक्ट्रिक वाहनों का बड़ा महत्व है। लेकिन इसके साथ ही साथ यह भी जरूरी है कि इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण में देश आत्मनिर्भर भी बने। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार भारत में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार 2030 तक 250 बिलियन डॉलर का हो सकता है। 2021 में बाजार का मूल्य 1.45 बिलियन डॉलर और 2022 में 3.21 बिलियन डॉलर था।

भारत में इलेक्ट्रिक वाहन बाजार तेजी से बढ़ रहा है। विभिन्न मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पिछले साल ईवी की बिक्री दस लाख का आंकड़ा पार कर गई और 2030 तक यह संख्या 170 लाख यूनिट तक पहुंचने की उम्मीद है। बाजार में तेजी के रुझान के साथ, देश के अधिकांश कार निर्माताओं ने अपने कुछ सबसे ज्यादा बिकने वाले वर्तमान मॉडल को इलेक्ट्रिक वर्जन में बनाना भी शुरू कर दिया है। काफी समय से इस बात पर विवाद चल रहा था कि अमरीकी कंपनी टेस्ला भारत में इलेक्ट्रिक कारों का निर्माण करेगी या नहीं। टेस्ला उनकी कारों पर भारत में आयात शुल्क में कमी के लिए पैरवी कर रही थी। उनका तर्क था कि वे अपनी इलेक्ट्रिक कारों को लाकर भारतीय बाजारों को परखना चाहते हैं और इसलिए वे भारत में अपनी स्थिति को परखने के लिए आयात शुल्क में छूट की मांग कर रहे हैं। हालांकि, कंपनी के इस ढुलमुल रवैये से भारत में विनिर्माण सुविधाएं शुरू करने के उनके वास्तविक इरादे पर संदेह पैदा हो रहा था। लेकिन अब यह लगभग स्पष्ट हो गया है कि कंपनी भारत में अपनी टेस्ला कार का विनिर्माण शुरू करने में रुचि नहीं रखती है। हाल ही में भारत में ईवी नीति की घोषणा करते हुए सरकार ने भी यह संकेत दिया है कि टेस्ला कंपनी देश में अपनी कारों का विनिर्माण करने में रुचि नहीं रखती है। सरकार ने इस बीच भारत में इलेक्ट्रिक कारों के विनिर्माण को प्रोत्साहित करने वाली नीति पेश की है। हालांकि नई ईवी नीति 15 प्रतिशत की रियायती टैरिफ दर पर इलेक्ट्रिक कारों के आयात की भी अनुमति देती है, लेकिन आयातित कारों की कुल संख्या पर 8000 कारों की सीमा है, जिसके बाद आयात शुल्क 115 प्रतिशत तक जा सकता है। नीति में 35000 डॉलर से अधिक कीमत वाली किसी भी आयातित इलेक्ट्रिक कार पर शुल्क में कटौती की पेशकश की गई है, बशर्ते निर्माता तीन साल के भीतर स्थानीय संयंत्र स्थापित करने के लिए कम से कम 42500 करोड़ रुपए या लगभग 500 मिलियन डॉलर का निवेश करे। 15 प्रतिशत की यह रियायती ड्यूटी 35000 डॉलर से कम कीमत वाली कारों पर लागू नहीं होगी। कुल सीमा शुल्क राहत 6484 करोड़ रुपए तक सीमित होने का अनुमान है। नई ईवी नीति के तहत उद्यमियों को आवेदन जमा करने के लिए जल्द ही एक पोर्टल चालू किया जाएगा। यह पोर्टल कम से कम 120 दिनों तक खुला रहेगा। केवल वे कंपनियां ही आवेदन करने के लिए पात्र होंगी, जिन्होंने वाहन विनिर्माण से कम से कम 10000 करोड़ की बिक्री की है और अचल संपत्ति निवेश में न्यूनतम 3000 करोड़ रखती हैं। इस योजना के तहत भारतीय और विदेशी दोनों कंपनियां आवेदन करने के लिए पात्र होंगी। सरकार के अनुसार, नई नीति 'मेक इन इंडिया' पहल का समर्थन करेगी और ऑटोमोबाइल विनिर्माण में भारत की वैश्विक स्थिति को ऊपर उठाने में मदद करेगी।

विदेशी निवेशक आकर्षित नहीं हैं इस नीति से = इस नीति की खास बात यह है कि विदेशी वाहन निर्माता जैसे अमरीकी कंपनी टेस्ला, चीनी कंपनी बीवाईडी आदि सरकार की ईवी नीति के प्रति बहुत ठंडा रुख अपनाए हुए हैं। जहां तक टेस्ला का सवाल है, हालांकि उसने भारत में अपनी तैयार कार के लिए डीलरों का चयन शुरू किया है, लेकिन वो भारत में कार बनाने के लिए इच्छुक नहीं है। दूसरी तरफ चीन की कंपनी बीवाईडी इसलिए निवेश के प्रति ठंडा रुख रखे हुए है, क्योंकि भारत सरकार सुरक्षा कारणों से चीन जैसे देश की कंपनियों, खास तौर पर इलेक्ट्रॉनिक से जुड़ी कंपनियों को भारत में प्रवेश देने के लिए इच्छुक नहीं है। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि कुछ बड़ी वैश्विक कंपनियां भारत में इलेक्ट्रिक कार उत्पादन हेतु निवेश कर सकती हैं, लेकिन इन कंपनियों की इलेक्ट्रिक कारें अपने देशों में भी कोई विशेष बाजार नहीं बना पाईं। ऐसे में वो भारत जैसे देश में जहां टाटा और महिंद्रा जैसी बड़ी ऑटोमोबाइल कंपनियों, जो इलेक्ट्रिक वाहनों के क्षेत्र में भी काफी आगे बढ़ चुकी हैं, के सामने कैसे टिक पाएंगी, यह एक बड़ा सवाल उनके सामने है।

सेहत के साथ रोजगार सृजन और आर्थिक विकास = विभिन्न राष्ट्रीय अध्ययनों और विश्लेषणों से पता चलता है कि भारत में, पर्यावरण की रक्षा हेतु किए जा रहे प्रयास पर्यावरण ही नहीं, वित्तीय लाभ भी उत्पन्न कर सकते हैं, और रोजगार सृजन का बड़ा स्त्रोत हो सकते हैं। इस संदर्भ में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी द्वारा एक बड़ा योगदान संभव है। भारत का ईवी क्षेत्र 2030 तक 250 बिलियन डॉलर का उद्योग बन सकता है, जिससे वाहन निर्माण, बैटरी उत्पादन, आपूर्ति श्रृंखला और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में पांच करोड़ नौकरियां पैदा होंगी। ऐसे में देश में इलेक्ट्रिक वाहनों का घरेलू उत्पादन बढना हर दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

-प्रो. अश्वनी महाजन
पूर्व कालेज प्रोफेसर

राशिफल

ज्येष्ठ माह शुक्ल पक्ष पूर्णिमा | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
गृह कलह के संकेत हैं। भौतिक सुख-संपदा में वृद्धि होने के बावजूद भी घरेलू सुख बाधित रहेगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
पराक्रम रंग लाएगा। अगर आपने कुछ सोचा है तो उसे पूरा करें। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा दिख रहा है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
भाग्य साथ देगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
कुटुंब में वृद्धि। धन का आवक बढ़ेगा। निवेश मत करिए। जुबान पर काबू रखिए।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
किसी भी तरह का कोई रिस्क न लें, खासतौर पर शारीरिक रिस्क। प्रेम-संतान करीब-करीब ठीक है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
प्रेमी-प्रेमिका की मुलाकात होगी। धन का आवक बढ़ेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी होगी।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
प्रेम में तूतू-मैंमैं से बचें। स्वास्थ्य पहले से बेहतर। प्रेम-संतान अच्छा है। व्यापार भी अच्छा है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
शत्रु परास्त होंगे। कार्यों विघ्न-बाधा के साथ संपन्न होंगे। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम रहेगा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
अज्ञात भय सताएगा। खर्च की अधिकता रहेगी। सिरदर्द, नेत्रपीड़ा मिल सकता है। बाकी प्रेम, संतान अच्छा है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
धन का आवक बढ़ेगा। रुका हुआ धन वापस मिलेगा। नए स्त्रोत से भी रुपए-पैसे आएंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
उच्चाधिकारियों का आशीर्वाद मिलेगा। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
भाग्य साथ देगा। यात्रा का योग बनेगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। यात्रा का योग बनेगा।

कांग्रेस का जिला संविधान सम्मान सम्मेलन सम्पन्न

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। लोकतंत्र और संविधान की रक्षा का संकल्प लेकर आज भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे संविधान सम्मान सम्मेलन के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला में जनपद गौतम बुद्ध नगर के ग्राम रोजा-जलालपुर में जिला सचिव नीतीश चौधरी द्वारा एक जिला स्तरीय संविधान सम्मान सम्मेलन आयोजित किया गया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार जिस प्रकार से लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर कर रही है और संविधान की आत्मा से खिलवाड़ कर रही है, वह देश के भविष्य के लिए अत्यंत चिंताजनक है। यह सम्मेलन जनता को सतर्क करने और उनके संवैधानिक अधिकारों की रक्षा हेतु कांग्रेस की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि वर्तमान में जब लोकतंत्र की नींव को हिलाने के प्रयास हो रहे हैं और संविधान का खुलेआम अपमान किया जा रहा है, तब यह हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम प्रत्येक नागरिक को संविधान की मूल भावना से जोड़ें। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार बार-बार ऐसी नीतियाँ ला रही है जो सीधे तौर पर नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करती हैं।

श्री भाटी ने कहा कि जिस संविधान ने हमें समानता, स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार दिया है, उसी संविधान को आज योजनाबद्ध ढंग से कमजोर किया जा रहा है। शिक्षा, अभिव्यक्ति और धर्म की स्वतंत्रता सीमित की जा रही है। पंचायतों से लेकर संसद तक एक ही विचारधारा थोपने का प्रयास हो रहा है। ऐसे में हमारी लड़ाई किसी एक राजनीतिक दल से नहीं, बल्कि उस विचारधारा से है जो संविधान विरोधी है। कांग्रेस पार्टी ने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर अब तक संविधान की रक्षा के लिए अनेक बलिदान दिए हैं और आगे भी इसके लिए संघर्ष करती रहेगी।

जिला समन्वयक आलोक गौड़ ने अपने संबोधन में कहा कि संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि प्रत्येक भारतीय की आज़ादी, अधिकार और गरिमा का आधार है। जब-जब भाजपा सरकार ने संविधान को कमजोर करने का प्रयास किया है, कांग्रेस पार्टी ने जनसामान्य के साथ मिलकर उसका विरोध किया है और करती रहेगी।

जिला कोऑर्डिनेटर जोगेश नेहरा ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज भारत एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहाँ संविधान और तानाशाही के बीच संघर्ष चल रहा है। हमारा उद्देश्य मात्र सत्ता प्राप्ति नहीं, बल्कि उस विचारधारा की रक्षा करना है जिसे डॉ. भीमराव अंबेडकर, महात्मा गांधी और पंडित जवाहरलाल नेहरू ने देश को विरासत में दी है। उन्होंने कहा कि जिला कांग्रेस गाँव-गाँव, गली-गली संविधान का संदेश लेकर पहुँचेगी।

कार्यक्रम के अंत में ग्रामवासियों ने संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ किया और संविधान की रक्षा का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंद्रजीत नागर ने की।

सम्मेलन में प्रमुख रूप से दुष्यंत नागर, नीतीश चौधरी, संगठन प्रभारी महासचिव मुकेश शर्मा, गौतम अवाना, महाराज सिंह नागर, धर्म सिंह वाल्मीकि, रिज़वान चौधरी, देवेश चौधरी, नीरज शर्मा, गौतम सिंह, रमेश वाल्मीकि, सुबोध भट्ट, आर. के. प्रथम, मोहम्मद तनवीर अहमद, धीरा सिंह, सचिन भाटी, महकार सिंह, ओंकार सिंह राणा, विनय नागर, कर्मवीर, अभि ठाकुर, डी.पी. सिंह, आकाश, रामी विश्वकर्मा, अमित कुमार, शिवचंद, सरोज, नीलेश यादव, नरेंद्र सिंह, ब्रजेश कुमार, चेतन कुमार, सतपाल, आशीष कुमार, अनिल कुमार, सुधीर गौड़, हरिओम, विशाल, राजू, मोनू, ओमेंद्र तंवर, राजकुमार तंवर, सुनील शर्मा, गौरव वशिष्ठ, विपिन सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्राधिकरण की ओएसडी को सौंपा ज्ञापन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। डोर-टू-डोर गार्बेज कलेक्शन शुल्क के विरोध में फेडरेशन ऑफ आरडब्ल्यूएज़ के अध्यक्ष देवेंद्र टाइगर व महासचिव ऋषिपाल भाटी के नेतृत्व में प्राधिकरण की ओएसडी गुंजा सिंह को एक ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में कलेक्शन चार्ज के निर्णय को वापस लेने की माँग की गई। फेडरेशन का कहना है कि यदि यह निर्णय शीघ्र वापस नहीं लिया गया, तो शहर की समस्त आरडब्ल्यूएज़ फेडरेशन के नेतृत्व में अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगी।

इस अवसर पर फेडरेशन के उपाध्यक्ष आलोक नागर, उपाध्यक्ष सतीश भाटी एवं सतीश शर्मा सहित प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

भाजपा की बैठक आयोजित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारत सरकार के 11 साल बेमिसाल कार्यक्रम के अंतर्गत चल रहे अभियानों को गति देने के संदर्भ में कल कासना मंडल की बैठक हुई। इस अवसर पर सभी शक्ति केंद्रों के संयोजक एवं मंडल की टीम के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा मंडल स्तर पर तय की गई।

बैठक में 12 जून को आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन में सहभागिता का आह्वान किया गया, साथ ही उसी दिन मंडल कार्यालय पर लगाई गई प्रदर्शनी को देखने का भी निवेदन किया गया। 13, 14 एवं 15 जून को ग्राम चौपाल आयोजित की जाएगी, जिन्हें सफल बनाने की रूपरेखा बैठक में तय की गई।

इसके अतिरिक्त, पूरे गौतम बुद्ध नगर जिले में 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी सम्माननीय नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाने का भी आग्रह किया गया।

बैठक में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को मंडल स्तर पर भव्य रूप से मनाने की योजना पर भी चर्चा हुई। वहीं, 23 जून को पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस का आयोजन प्रत्येक बूथ पर किया जाएगा।

शिक्षक एवं शिक्षामित्र भी टीम में शामिल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, जेवर के विस्तारीकरण हेतु भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन योजना तैयार किए जाने से पूर्व प्रभावित परिवारों की जनगणना के कार्य के लिए गठित टीम में शिक्षक एवं शिक्षामित्रों को भी सम्मिलित किया गया है। उक्त संदर्भ में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा जिलाधिकारी महोदय से भेंट कर कार्य दिवस का मानदेय/प्रतिपूरक अवकाश प्रदान किए जाने की मांग रखी गई है।

जिलाधिकारी द्वारा आश्वासन दिया गया है कि या तो मानदेय अथवा प्रतिपूरक अवकाश, इनमें से कोई एक सुविधा अवश्य प्रदान की जाएगी। प्रतिनिधिमंडल में जिलाध्यक्ष प्रवीण शर्मा, जिलामंत्री गजन भाटी एवं ब्लॉक मंत्री (दनकौर) रामकुमार शर्मा उपस्थित रहे।

अवैध रेहड़ी-पटरियों को ग्रेनो प्राधिकरण ने किया जब्त

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अर्बन सर्विसेज विभाग की तरफ से अवैध रूप से लग रही रेहड़ी-पटरी वालों पर कार्रवाई की गई। अर्बन सर्विस विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक मनोज कुमार सचान के नेतृत्व में टीम ने टेकजोन-4 की मेफेयर सोसाइटी की शॉपिंग काम्प्लेक्स के सामने अवैध रूप से लग रही एक दर्जन ठेली-पटरियों को हटाया गया और सभी को चेतावनी भी दी गई कि दोबारा अवैध रूप ठेलियां लगीं तो जब्तीकरण की कार्रवाई की जायेगी। इसके साथ ही प्राधिकरण के अर्बन सर्विसेज विभाग की टीम ने सेक्टर ईकोटेक थ्री में रोड पर कार्य कर रहे फैब्रिकेटर्स को भी हटाया गया। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ प्रेरणा सिंह ने ग्रेनो में सड़क किनारे अवैध रेहड़ी -पटरियों को जब्त करने की कार्रवाई जारी रखने की चेतावनी दी है।

सेक्टर-36 में मलबे का ढेर मिलने पर कॉन्ट्रैक्टर पर 50 हजार का जुर्माना

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक स्वास्थ्य आरके भारती और वरिष्ठ प्रबंधक चरण सिंह ने मंगलवार को सेक्टर-36 का दौरा किया। सेक्टर में कई जगह रोड किनारे मलबे (सी एंड डी वेस्ट) का ढेर मिला। महाप्रबंधक ने स्वास्थ्य विभाग की टीम से नाराजगी जताई और सेक्टर से सी एंड डी वेस्ट उठाने के लिए जिम्मेदार कंपनी राइज इलेवन कंक्रीट प्रोडक्ट्स पर 50 हजार रुपये की पेनल्टी लगाई है। इस रकम की कटौती कॉन्ट्रैक्टर के अग्रिम भुगतान से की जाएगी। उन्होंने कॉन्ट्रैक्टर को सेक्टर से नियमित मलबा उठवाने और रोस्टर जारी करने को कहा है। दोबारा निरीक्षण के दौरान मलबे का ढेर मिला तो कॉन्ट्रैक्टर को ब्लैक लिस्ट किया जाएगा। सेक्टरों का निरीक्षण अभियान आगे भी जारी रहेगा। ग्रेटर नोएडा में कंस्ट्रक्शन मलबे को उठाने के लिए हेल्पलाइन नंबर भी है। यह नंबर 9870308811 है। यह राइज इलेवन कंपनी का नंबर है। अपने घर के कंस्ट्रक्शन मलबे को उठवाने के लिए इस नंबर पर सूचना दी जा सकती है।

निजी वाहनों के कॉमर्शियल यूज पर एक्शन

नोएडा (चेतना मंच)। परिवहन आयुक्त, उत्तर प्रदेश एवं जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों पर 1 जून से 15 जून 2025 तक बिना परमिट निजी वाहनों के व्यावसायिक उपयोग के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी डॉ. उदित नारायण पांडेय ने बताया कि अभियान को प्रभावी बनाने के लिए पांच प्रवर्तन टीमें गठित की गई हैं, जिनमें तीन सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) और दो यात्रीकर अधिकारी (पीटीओ) शामिल हैं। ये टीमें जनपद के विभिन्न क्षेत्रों जैसे बादलपुर, नॉलेज पार्क, सेक्टर 62, और परी चौक में वाहनों के परमिट व अन्य प्रपत्रों की गहन जांच कर रही हैं।

अभियान के तहत अब तक 33 हल्के यात्री वाहन और 13 मोटरसाइकिलों सहित कुल 75 वाहनों को निरुद्ध किया गया है। सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी डॉ. उदित नारायण पांडेय ने बताया कि बिना रजिस्ट्रेशन, बिना परमिट या अन्य वैध प्रपत्रों के वाहन संचालन से बचें। कर चोरी न करें और प्रवर्तन कार्रवाई व जुर्माने से बचने के लिए नियमों का पालन करें।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

किसानों को नैनो उर्वरकों की दी जानकारी

फूलपुर (ब्यूरो)। इफको फूलपुर इकाई द्वारा सिठौली गाँव में एक विशेष किसान चौपाल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को 'नैनो यूरिया प्लस' एवं 'नैनो डीएपी' जैसे नवीनतम नैनो उर्वरकों के प्रयोग, लाभ और तकनीकी पहलुओं के बारे में जानकारी दी गई।

कोर्डेट प्राचार्य डॉ. डी.के.सिंह ने कहा कि नैनो उर्वरकों की वैज्ञानिक जानकारी साझा करते हुए बताया कि यह तकनीक किस प्रकार पौधों द्वारा जल्दी अवशोषित होती है और फसल की गुणवत्ता व उत्पादन को बढ़ाती है।

जनसंपर्क अधिकारी स्वयं प्रकाश ने पारंपरिक दानेदार उर्वरकों से होने वाले नुकसान, जैसे कि मिट्टी की उर्वरता में गिरावट, लागत में वृद्धि, और जल प्रदूषण के बारे में जानकारी दी। उन्होंने नैनो उर्वरकों को अधिक टिकाऊ विकल्प बताते हुए इसके प्रयोग को बढ़ावा देने की बात कही। वरिष्ठ प्रबंधक प्रशिक्षण अनुराग तिवारी ने कहा कि नैनो उर्वरक न केवल पर्यावरण के अनुकूल हैं, बल्कि कम मात्रा में बेहतर परिणाम देने में सक्षम हैं। वरिष्ठ प्रबंधक ई.पी.सी. उमेश कुमार ने नैनो उर्वरक का पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में बताया।

रामकथा में राम जानकी विवाह का सुंदर वर्णन

नोएडा (चेतना मंच)।

सेक्टर 93 सुपर एमआईजी सनातन धर्म मंदिर पर आयोजित श्रीराम कथा के पांचवें दिन कथा व्यास महामंडलेश्वर स्वामी पंचमानंद जी महाराज ने श्रीराम सीता विवाह, लक्ष्मण परशुराम संवाद आदि प्रसंगो जनकपुरी पहुंचने पर मुनि समेत दोनों भाइयों का जनक जी द्वारा भव्य स्वागत सत्कार किया जाता है। जनक जी अपनी प्रतिज्ञा से सभी को अवगत कराते हैं कि जो भी शिव धनुष को तोड़ेगा उसी के साथ जानकी का विवाह होगा। जनक जी का प्रण सुनकर देश देशांतर के बलशाली राजा आए लेकिन तमाम कोशिश के बाद भी धनुष नहीं तोड़ पाए। गुरु विश्वामित्र की आज्ञा पाकर भगवान राम ने धनुष उठा लिया। भगवान राम के छूते ही धनुष टूट गया और जानकी जी ने राम जी के गले में वरमाला डाल देती हैं। देवता ऊपर से पुष्प वर्षा करते हैं और चारों ओर खुशियां छा जाती हैं।

11 जून को राम राज्याभिषेक की तैयारी, राम वनवास, केवट संवाद आदि प्रसंगों का सुंदर वर्णन कथा व्यास द्वारा किया जाएगा।

इस अवसर पर राजेश कुमार गुप्ता, राजवीर सिंह, वीरेंद्र द्विवेदी, रमेश चंद्र शर्मा, शैलेश द्विवेदी,वीरेंद्र कुमार राय, विजय झा, अंगद सिंह तोमर, देवमणि शुक्ल , रवि राघव, गोरे लाल, संजय पांडेय, हरि शंकर सिंह, आदित्य अग्रवाल, प्रमोद भारद्वाज, राज दूबे, दिनेश पाठक,रमेश कुमार वर्मा, विश्वनाथ त्रिपाठी, आचार्य गौरव,धर्मेंद्र कुमार मिश्रा, उमाकांत त्रिपाठी, हंसमणि शुक्ला, श्याम मौर्य, एल एस तिवारी,विनय त्रिवेदी,विकास शर्मा , रमेश चंद्र दास, सी एल तिवारी, शिव कुमार पाठक, धर्मेंद्र सिंह, रंजन गिरि, मुक्तैश भारद्वाज, श्रीमती नीलम द्विवेदी, श्रीमती मंजू गुप्ता, श्रीमती सचिता राय, श्रीमती कोमल राठौर, शशि बाला, श्रीमती संध्या तिवारी सहित तमाम सेक्टरवासी भक्त मौजूद रहे।

कार्यालयः संयुक्त आयुक्त (वि0 अनु0 शा0) राज्य कर, संभाग- ए / बी नोएडा

-: नीलामी सूचना :-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य कर, विभाग नोएडा की विभिन्न सचल दल इकाइयों द्वारा अभिग्रहीत निम्न माल /सामग्री की नीलामी की जानी है।

क्र. स.	विवरण	नीलामी स्थल	अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क अधिकारी	धरोहर राशि का विवरण
1	कुल 3712 पेयर फुटवियर	सूरजपुर ग्रेटर नोएडा	सुश्री प्रियंका सहायक आयुक्त 7235002872	रु0 5000.00 का डिमांड ड्राफ्ट ASSISTANT COMMISSIONER MOBILE SQUAD 01 STATE TAX NOIDA
2	3W JUNCTION BOX 10000 नग	उक्त	सुश्री प्रियंका सहायक आयुक्त 7235002872	रु0 5000.00 का डिमांड ड्राफ्ट ASSISTANT COMMISSIONER MOBILE SQUAD 01 STATE TAX NOIDA
3	54 नग वायर तथा 82 पीस पुराने मोटर	उक्त	सुश्री प्रियंका सहायक आयुक्त 7235002872	रु0 5000.00 का डिमांड ड्राफ्ट ASSISTANT COMMISSIONER MOBILE SQUAD 01 STATE TAX NOIDA
4	सवमर्सिवल पम्प 20 नग	उक्त	श्री रोहित रावत सहायक आयुका 7235002928	रु0 5000.00 का डिमांड ड्राफ्ट ASSISTANT COMMISSIONER MOBILE SQUAD 02 STATE TAX NOIDA
5	वाहन संख्या UP21AN6716 व परचून	उक्त	सुश्री सुगंधा सिंह सहायक आयुक्त 7235002949	रु0 10000.00 का डिमांड ड्राफ्ट ASSISTANT COMMISSIONER MOBILE SQUAD 04 STATE TAX NOIDA
6	1740 जीन्स पेंट	उक्त	सुश्री शिखा सिंह सहायक आयुक्त मो-8299205359	रु0 5000.00 का डिमांड ड्राफ्ट ASSISTANT COMMISSIONER MOBILE SQUAD 05 STATE TAX NOIDA
7	PAVER MACHINE-01 ROLLER-01	उक्त	सुश्री शिखा सिंह सहायक आयुक्त मो-8299205359	रु0 5000.00 का डिमांड ड्राफ्ट ASSISTANT COMMISSIONER MOBILE SQUAD 05 STATE TAX NOIDA
8	फुल बाडी ट्रक TATA LPT-3118/56E-III, 5883-UP78CN8198	उक्त	सुश्री शिखा सिंह सहायक आयुक्त मो-8299205359	रु0 10000.00 का डिमांड ड्राफ्ट ASSISTANT COMMISSIONER MOBILE SQUAD 05 STATE TAX NOIDA
9	वाहन संख्या DLILT 9578 (EECO FLAXI GREEN) व EDC मशीन 52 नग	उक्त	श्री सुरेश कुमार पाल सहायक आयुक्त मो-7235001941	रु0 10000.00 का डिमांड ड्राफ्ट ASSISTANT COMMISSIONER MOBILE SQUAD 06 STATE TAX NOIDA

उपरोक्स समस्त माल / सामग्री की नीलामी दिनांक 26-06-25 दिन बृहस्पतिवार को प्रात: 11.00 बजे से जहां है जैसा है के आधार पर की जायेगी। नीलामी में भाग लेने वाले केवल रजिस्टर्ड व्यापारीगण / व्यक्ति नियत तिथि व नियत स्थल (कालम संख्या 03 में वर्णित) पर नीलामी हेतु वर्णित वस्तु के समक्ष अंकित आवश्यक डिमांड ड्राफ्ट अपने साथ लेकर समय से प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें। नीलामी से सम्बंधित नियम व शर्तों की जानकारी सम्बंधित कार्यालय / दूरभाष पर किसी भी कार्य दिवस में प्रात: 10.00 बजे से सांय 5.00 बजे प्राप्त की जा सकती है। नीलामी की वस्तु पर GST टैक्स अतिरिक्त देय होगा।

सहायक आयुक्त, राज्य कर,
सचल दल इकाई 1, 2, 4, 5, 6 नोएडा

काशी में पुलिस ने 21 फर्जी पुजारियों को गिरफ्तार किया

वाराणसी (एजेंसी)। काशी में बाबा विश्वनाथ के भक्तों के साथ ठगी का बड़ा मामला आया है। काशी विश्वनाथ मंदिर के बाहर खुद को पुजारी बताकर श्रद्धालुओं को ठगने वाले 21 फर्जी पुजारियों को गिरफ्तार किया है। ये लोग मंदिर में अवैध रूप से दर्शन कराने और प्रसाद-लॉकर के नाम पर फर्जीवाड़ा कर रहे थे। पुलिस के अनुसार, ये फर्जी पुजारी खुद को मंदिर से अधिकृत बताकर सुलभ दर्शन का वादा कर प्रति व्यक्ति 500 से 1000 रुपये तक की राशि वसूलते थे। पैसे लेने के बाद वे श्रद्धालुओं को मंदिर परिसर की ओर ले जाने का दिखावा कर किसी गली में छोड़कर गायब हो जाते थे। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी बाहर से आए हुए है और खुद को पुरोहित बताकर भोले-भाले श्रद्धालुओं को निशाना बनाते थे। पुलिस अब इनसे पूछताछ कर जानने की कोशिश कर रही है कि इस गिरोह में और कौन लोग शामिल है।

ग्वालियर में 2500 ने हिंदू धर्म छोड़ा, बौद्ध धर्म स्वीकारा

ग्वालियर (एजेंसी)। ग्वालियर के भितरवार स्थित धाकड़ खिरिया में आयोजित बौद्ध महासम्मेलन में ढाई हजार हिंदुओं ने हिंदू धर्म छोड़कर बौद्ध धर्म स्वीकार किया है। यहां पर तीन दिवसीय बौद्ध आयोजन हो रहा था। रविवार को आयोजन स्थल पर समापन के मौके पर बुद्ध भूमि पर धर्मदूत संघ भोपाल के अध्यक्ष सागर महाथेरो ने बौद्ध धर्म की शपथ दिलाई। शपथ में कहा गया, हिंदू देवी देवताओं की पूजा नहीं करूंगा। ब्रह्मा, विष्णु, महेश को ईश्वर नहीं मानूंगा। इस शपथ ग्रहण समारोह का 4.24 मिनट का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो और शपथ ग्रहण समारोह की पुष्टि आयोजक नहीं कर रहे हैं। धर्म परिवर्तन की बात सामने आने के बाद एसडीएम भितरवार संजीव जैन इस मामले की जांच कर रहे हैं। आयोजकों से जिला प्रशासन द्वारा पूछताछ की जा रही है।

पीड़िता ने दुष्कर्मी को झोंक दिया आग में, तड़प-तड़पकर हुई मौत

भुवनेश्वर (एजेंसी)। गजपति जिले में 60 वर्षीय व्यक्ति द्वारा कथित तौर पर यौन उत्पीड़न की शिकार महिलाओं के एक समूह ने उसकी हत्या कर दी और शव को जला दिया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। इस मामले में कुल 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें आठ महिलाएं शामिल हैं। मृतक के परिवार द्वारा गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराने के बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की थी। मोहना थाना प्रभारी बसंत सेठी ने कहा, हमें पता चला कि उस व्यक्ति की हत्या कर दी गई थी और उसके बाद उसके शव को जला दिया गया था। पुलिस ने गांव से करीब दो किलोमीटर दूर एक जंगल के पास पहाड़ी से जली हुई अस्थियां और राख बरामद की हैं। उन्होंने बताया कि गांव के एक वार्ड सदस्य सहित दस लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी ने बताया कि यह घटना तीन जून की रात को हुई जब व्यक्ति ने गांव में 52 वर्षीय विधवा के साथ कथित तौर पर बलात्कार किया। उन्होंने बताया कि उसके पिछले यौन उत्पीड़न की पीड़ितों सहित कुछ महिलाओं ने बाद में एक बैठक की और उसे मार डालने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा, वे उसके घर गईं, जहां वह सो रहा था, और 52 वर्षीय विधवा ने अन्य लोगों की मदद से उस व्यक्ति की हत्या कर दी। दो पुरुषों ने भी महिलाओं की सहायता की थी। सेठी ने कहा, गिरफ्तार की गई छह महिलाओं ने यह स्वीकार किया है कि वे उस व्यक्ति द्वारा यौन शोषण का शिकार हो चुकी थीं और उन्होंने इस पीड़ा को समाप्त करने के लिए यह कदम उठाया। गजपति के पुलिस अधीक्षक जतिंद्र कुमार ने कहा, महिलाओं ने उस व्यक्ति (मृतक) के खिलाफ पुलिस से शिकायत नहीं की थी और न ही कभी किसी तरह की मदद मांगी थी।

बीते 3 साल में साढ़े 7 हजार लोगों ने लोकल ट्रेन के सफर में जान गंवाई

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई की जीवन रेखा कही जाने वाली लोकल ट्रेन लोगों का जीवन भी छीन रहीं हैं। वजह ये है कि भारी भरकम भीड़ और धक्का मुक्की के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। मुंब्रा स्टेशन पर हादसे पर सवाल उठ रहे हैं। एक आरटीआई के मुताबिक, बीते तीन वर्षों में मुंबई लोकल में सफर करने वाले 7,560 यात्रियों ने अपनी जान गंवाई है, जबकि 7,293 गंभीर रूप से घायल हुए। यह खुलासा मुंबई लोहमार्ग पुलिस (जीआरपी) द्वारा आरटीआई के तहत दी गई जानकारी में हुआ है। सस्ती, तेज और सुलभ लोकल यात्रा अब खतरनाक बनती जा रही है। अधिक भीड़, सीमित लोकल फेरे, अपर्याप्त सुविधाएं, स्टेशन के प्रवेशद्वारों पर सुरक्षा का अभाव और ट्रैक के पास बैरिकेडिंग की कमी आदि लोकल ट्रेन के हादसों का कारण बन रहे हैं।

फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि सफल अमरनाथ यात्रा से देश के बाकी हिस्सों में यह संदेश जाएगा कि कश्मीर में शांति है

श्रीनगर (एजेंसी)। नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि सफल अमरनाथ यात्रा से देश के बाकी हिस्सों में यह संदेश जाएगा कि कश्मीर में शांति है। अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होने वाली है। अब्दुल्ला ने जम्मू एवं कश्मीर के गंदेरबल जिले के बाबा नगरी में संवाददाताओं से कहा, यह अच्छी बात है कि अमरनाथ तीर्थयात्री आएंगे। अधिक से अधिक संख्या में तीर्थयात्री आने चाहिए, ताकि यह संदेश जाए कि यहां (कश्मीर में) शांति है। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद कश्मीर को जो नुकसान हुआ है, उसे शांतिपूर्ण अमरनाथ यात्रा से कम किया जा सकता है। वार्षिक उर्स में भाग लेने बाबा नगरी आए अब्दुल्ला ने कहा कि उन्होंने देश में शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा, मैंने देश में शांति, हमारे युवाओं के बेहतर भविष्य और नफरत के उस माहौल के अंत के लिए प्रार्थना की, जिससे हम गुजर रहे हैं।

क्यूआर-सेम कई किमी दूर से ही दुश्मन के हमलों को कर देगी नाकाम

सैन्य बलों को इस मिसाइल प्रणाली से लैस करने पर होगा विचार - राजनाथ

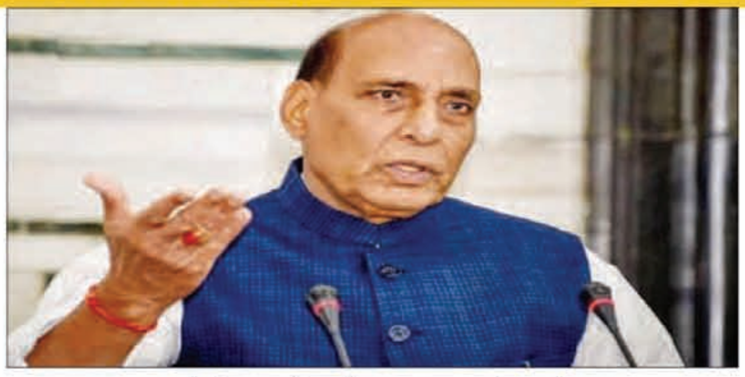

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्रालय जल्द ही सेना के लिए नई स्वदेशी क्विक रिएक्शन सरफेस-टू-एयर मिसाइल क्यूआर-सेम प्रणालियों की तीन रेजीमेंटों की खरीद के लिए 30,000 करोड़ रुपए के प्रस्ताव को मंजूरी देने के मामले पर विचार करेगा। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली रक्षा अधिग्रहण परिषद इस माह के आखिर में इन मोबाइल क्यूआर-सेम प्रणालियों के लिए जरुरी स्वीकृति देने पर विचार करेगी।

बता दें ये प्रणालियां दुश्मन के लड़ाकू विमानों, हेलिकॉप्टरों और ड्रोन को 25 से 30 किलोमीटर की दूरी तक रोकने के लिए डिजाइन की गई है। यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है जब भारत की मौजूदा बहु-स्तरीय वायु रक्षा प्रणाली ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान द्वारा छोड़े गए तुर्की ड्रोन और चीनी मिसाइलों के हमलों को नाकाम करने में अहम भूमिका निभाई थी। पिछले तीन-चार सालों में डीआरडीओ और सेना ने क्यूआर-सेम प्रणालियों का कई प्रकार के खतरों और उच्च गति वाले हवाई लक्ष्यों के विरुद्ध परीक्षण किया है, ताकि दिन और रात दोनों स्थितियों में इनकी क्षमताओं का मूल्यांकन किया जा सके।

बताया जा रहा है कि रक्षा क्षेत्र की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और भारत डायनेमिक्स लिमिटेड मिलकर इन प्रणालियों का निर्माण करेंगी। इन प्रणालियों के बारे में जानकारी देते हुए एक अधिकारी ने कहा कि क्यूआर-सेम प्रणालियां चलते-चलते संचालन करने में सक्षम हैं, जिनमें सर्च और ट्रैक की सुविधा है और वे कम समय के विराम पर फायर कर सकती हैं। इन्हें टैंक और इन्फैंट्री कॉम्बैट व्हीकल्स के साथ चलने के लिए तैयार किया है ताकि सामरिक युद्धक्षेत्र में उन्हें हवाई सुरक्षा प्रदान की जा सके।

बता दें ऑपरेशन सिंदूर के दौरान असाधारण प्रदर्शन करने वाली आर्मी एयर डिफेंस को वास्तव में क्यूआर-सेम की 11 रेजीमेंटों की जरुरत है। हालांकि सेना स्वदेशी आकाश प्रणाली की रेजीमेंटों को भी शामिल करती जा रही है, मगर वर्तमान में इसकी अवरोधन क्षमता करीब 25 किमी है। बता दें क्यूआर-सेम प्रणालियों का समावेश वायुसेना और सेना की मौजूदा वायु रक्षा नेटवर्क को मजबूत करेगा। जहां तक सैन्य बलों के पास पहले से मौजूद प्रणालियों की बात है तो इसमें रूसी एस-400 त्रिउम्फ लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है जिसकी 380 किमी अवरोधन क्षमता है।

इसके अलावा हमारे पास इज़राइल के साथ संयुक्त रूप से विकसित बाराक-8 मीडियम रेंज सेम सिस्टम है जिसकी क्षमता 70 किमी की है। साथ ही हमारे पास रूसी इगला-एस कंधे पर दागी जाने वाली मिसाइलें हैं जिसकी क्षमता 6 किमी है। साथ ही उन्नत एल-70 एंटी-एयरक्राफ्ट गन और स्वदेशी एकीकृत ड्रोन डिटेक्शन व इंटरडिक्शन सिस्टम भी है जिसकी क्षमता 1-2 किमी की है।

बता दें डीआरडीओ बहुत ही कम दूरी की वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली भी तैयार कर रहा है जिसकी अवरोधन क्षमता 6 किमी है लेकिन असली गेम-चेंजर वह वायु रक्षा प्रणाली होगी जिसकी रेंज 350 किमी होगी और जिसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट कुशा के तहत तैयार किया जा रहा है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक भारत इस लंबी दूरी की प्रणाली को 2028-2029 तक संचालन में लाने की योजना बना रहा है। सितंबर 2023 में रक्षा मंत्रालय ने इसकी पांच स्क्वाड्रनों की खरीद के लिए 21,700 करोड़ की एओएन मंजूरी दी थी।

मोदी सरकार की कई ऐसी उपलब्धियां हैं, जिन्होंने इतिहास रचा : स्मृति ईरानी

रांची। रांची पहुंची पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता स्मृति ईरानी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष के कार्यकाल के पूरे होने पर कई उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की कई ऐसी उपलब्धियां हैं, जिन्होंने इतिहास रचा है। उन्होंने विपक्ष के ऑपरेशन सिंदूर को लेकर राजनीति करने वाले बयान का भी जबाव दिया। पूर्व केंद्रीय मंत्री ईरानी ने कहा कि मेरा मानना है कि भारत के हर नागरिक का अधिकार है कि वह न सिर्फ अपनी सेना पर गर्व करे, बल्कि उनके शौर्य और पराक्रम को नमन करे। मेरा मानना है कि हिंदुस्तान का नागरिक या राजनीतिक दल हो, जिसे हमारी भारतीय सेना पर नाज हो। विपक्ष के पीओके गंवाने के सवाल पर पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मेरा मानना है कि कुछ विषयों का जवाब सरकार संसद में देगी। पीएम मोदी न सिर्फ एक प्रभावी प्रशासक हैं, बल्कि प्रभावी वक्ता भी हैं। भाजपा नेता स्मृति ईरानी ने मोदी सरकार के 11 साल के कार्यकाल की प्रशंसा करते हुए कहा कि केंद्र की कई उपलब्धियां ऐसी हैं, जिन्होंने इतिहास रचा है। 50 करोड़ लोगों को जनधन योजना के माध्यम से देश की तिजोरी तक जोड़ना, यह मोदी सरकार की एक अभूतपूर्व उपलब्धि है। इसके साथ ही लगभग 45 लाख करोड़ रुपए डीबीटी के माध्यम से देश की तिजोरी से लोगों के सीधे बैंक के खाते में गए हैं। हमारे देश में शायद ही कभी किसी ने सोचा हो कि 11 करोड़ किसानों को सीधे देश की तिजोरी से जोड़कर किसान सम्मान निधि की कोई योजना संभव हो पाएगी। लेकिन, पीएम मोदी ने इसे न सिर्फ संभव किया, बल्कि सफल करके भी दिखाया।

ऋषिकेश में आयोजित हुआ चतुर्थ अखिल भारतीय ज्योतिष समागम

ऋषिकेश। उत्तराखंड में स्थित शिवांश इन रिसॉर्ट में गाजियाबाद के प्रख्यात ज्योतिषाचार्य आचार्य सागर के तत्वावधान में चतुर्थ अखिल भारतीय ज्योतिष समागम का भव्य आयोजन संपन्न हुआ।

इस आयोजन में IIMT विश्वविद्यालय, मेरठ के कुलपति योगेश मोहन गुप्ता एवं फिल्म जगत के सुप्रसिद्ध अभिनेता गुलशन पांडेय (क्राइम पेट्रोल फेम) ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। मुख्य अतिथियों ने मंच से अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि किस प्रकार ज्योतिष विद्या ने उनके जीवन की कठिनाइयों का समाधान कर उन्हें मानसिक शांति प्रदान की।

इस समागम में देशभर से सैकड़ों ज्योतिषाचार्यों, शोधकर्ताओं एवं विशेषज्ञों ने भाग लिया। समागम का मुख्य उद्देश्य था—ज्योतिष के प्रति व्याप्त भ्रांतियों को दूर करना और इस प्राचीन विद्या के माध्यम से समाज को लाभान्वित करना।

समागम में पारंपरिक ज्योतिषीय सूत्रों के साथ-साथ आधुनिक संदर्भों में उनकी प्रासंगिकता पर गहन चर्चा हुई। विद्वानों ने बताया कि कैसे वेदकालीन महर्षियों की यह अनुपम देन आज भी मानव जीवन के रहस्यों को समझने की कुंजी है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रख्यात ज्योतिषाचार्य आचार्य सागर ने कहा की हमारा सम्पूर्ण जीवन जन्म कुंडली में स्थित ग्रहों और नक्षत्रों की स्थिति के अनुसार संचालित होता है। ग्रह, तारे, राशियाँ और नक्षत्र — ये सभी तत्व न केवल मनुष्य बल्कि संपूर्ण सृष्टि के हर जीव-जंतु, वृक्ष, पर्वत व अन्य घटकों को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से प्रभावित करते हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि इन खगोलीय शक्तियों का मनुष्य की मानसिक स्थिति, प्रकृति और जीवन के उतार-चढ़ाव पर गहरा प्रभाव पड़ता है। कभी ये सुखद परिणाम देते हैं तो कभी जीवन की चुनौतियों के पीछे भी यही कारण बनते हैं। यही ज्योतिष विद्या का रहस्य और वास्तविकता है। यह समागम एक बार फिर इस बात का प्रमाण बना कि भारतीय ज्योतिष केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि जीवन का विज्ञान है— जो आज के युग में भी उतना ही प्रासंगिक है।

दिल्ली पहुंचे सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार, डीके की ताजपोशी सहित कई मुद्दों पर चर्चा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी क्या नेतृत्व परिवर्तन करने जा रही है? यह सवाल लंबे से कर्नाटक के सियासी गलियारे में सुनाई दे रहा है। लेकिन, इस को लेकर बड़ी हलचल देखी जा रही है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार दिल्ली में हैं। वे कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात कर रहे हैं। इस अहम बैठक में एआईसीसी के कर्नाटक प्रभारी रणदीप सुरजेवाला और एआईसीसी महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल भी मौजूद हैं। सूत्रों के मुताबिक बैठक का मुख्य एजेंडा कर्नाटक में जाति जनगणना का मुद्दा है. इसके अलावा, हाल ही में बेंगलुरु में हुई भगदड़ की घटना पर भी चर्चा होगी। मुलाकात ने कर्नाटक की सियासत में हलचल बढ़ दी है, क्योंकि डीके के मुख्यमंत्री बनने की अटकलें तेज हो गई हैं।

कर्नाटक में जाति जनगणना लंबे समय से संवेदनशील और महत्वपूर्ण मुद्दा रहा है। सिद्धारमैया सरकार ने जनगणना को लेकर कदम उठाए हैं, लेकिन लागू करने में कई चुनौतियां सामने आई हैं। सूत्रों का कहना है कि खरगे और राहुल गांधी के साथ बैठक जाति जनगणना की प्रगति और इसके राजनीतिक प्रभावों पर केंद्रित हो सकती है। सिद्धारमैया और डीके इस मुद्दे पर एकजुटता दिखाने की कोशिश में हैं, लेकिन पार्टी के भीतर नेतृत्व को लेकर चर्चाएं तेज हैं।

डीके का नाम सीएम पद के लिए पहले भी उछलता रहा है। 2023 में कांग्रेस की जीत के बाद सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री और शिवकुमार को उपमुख्यमंत्री बनाया गया था। तब पार्टी ने दोनों नेताओं के बीच सत्ता साझेदारी का फॉर्मूला तय किया था, इसमें शिवकुमार को बाद में कथित तौर पर मुख्यमंत्री बनाने की बात हुई थी। अब, लोकसभा चुनावों में कर्नाटक में कांग्रेस के अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन के बाद शिवकुमार के समर्थकों ने फिर से उनके लिए सीएम की कुर्सी की मांग शुरू कर दी है। उनकी वोकालिगा समुदाय में मजबूत पकड़ और संगठनात्मक कौशल को पार्टी के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हाल ही में बेंगलुरु में कार्यक्रम के दौरान हुई भगदड़ ने भी सरकार की फजीहत करा दी है। इस घटना में 11 लोगों की मौत हुई और कई लोग घायल हुए थे, जिसके बाद विपक्ष ने सिद्धारमैया सरकार की लापरवाही पर सवाल उठाए। सूत्रों के अनुसार इस बैठक में मुद्दे पर भी चर्चा कर सकती है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोक सके।

सपा अल्पसंख्यक सभा की प्रदेश स्तरीय बैठक 16 को

ग्रेटर नोएडा। समाजवादी पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा की प्रदेश स्तरीय एक बैठक 16 जून को समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यालय लखनऊ में आयोजित की गई है।

बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री

अखिलेश यादव मौजूद रहेंगे। यह जानकारी सपा अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश अध्यक्ष शकील रिजवी ने दी है। उन्होंने बताया कि सपा अल्पसंख्यक सभा की बैठक में 2027 में होने वाले आम विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा की जाएगी।

सपा अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश सचिव चौधरी हसरूद्दीन खान ने बताया कि बैठक में गौतमबुद्धनगर से सपा अल्पसंख्यक सभा के सभी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी समय से पहुंच जाएंगे। बैठक में मुख्य विषय 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर आयोजित की गई है।

पृष्ठ एक के शेष....

पॉश सोसायटी के...

जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है जहां उनका उपचार चल रहा है।

मौके पर फॉरेंसिक टीम को भी बुलवाया गया फॉरेंसिक टीम को मौके से इंसुलिन के इंजेक्शन और ओआरएस के कई पैकेट मिले हैं। प्रारंभिक जांच में पता चला है की मां बेटे दोनों ही मधुमेह की बीमारी से भी पीड़ित थे। आशंका जताई जा रही है कि आर्थिक परेशानी की वजह से ही मां बेटे ने जहरीला पदार्थ खाया है पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

गर्मी से उबला उत्तर...

दवा, जांच आदि के माकूल इंतजाम रखे जाएं। अन्य वार्डों में भी कूलर, पंखे और एसी को नियमित रूप से संचालित किया जाए। बिजली नहीं होने की स्थिति में जनरेटर सुविधा दी जाए।

ठेकेदारी के...

मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। जांच में पता चला कि टीटू और आरोपी चिंकू मिलकर कंस्ट्रक्शन का काम करते हैं। चिंकू और शेखर ने किसी कंस्ट्रक्शन साइट का ठेका लिया हुआ था। उस साइट पर टीटू ने रेट कम देकर ठेका ले लिया। जिस बात को लेकर तीनों के बीच कहासुनी हुई। इसी बात को लेकर आरोपियों ने शराब के नशे में उसके घर पर हंगामा किया। प्रारंभिक जांच में फायरिंग होने की पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करो न्यायालय में पेश किया है।

मेट्रो हॉस्पिटल के...

की मुख्य इमारत में नहीं फैला। सूचना मिलते ही थाना सेक्टर-24 की पुलिस और फायर ब्रिगेड की तीन यूनिट तुरंत मौके पर पहुंची। मेट्रो हॉस्पिटल के कर्मचारियों ने भी तत्परता दिखाते हुए आग को फैलने से रोकने की कोशिश की, जिससे नुकसान को सीमित रखने में मदद मिली।

सीएफओ, गौतमबुद्धनगर प्रदीप कुमार ने बताया कि मेट्रो हॉस्पिटल सेक्टर-11 नोएडा में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई. सूचना मिलने के बाद तुरंत कार्रवाई करते हुए तीन फायर सर्विस यूनिट घटनास्थल पर रवाना हुई, आग बेसमेंट पर मुख्य भवन से अलग बने फिजियोथेरेपी यूनिट में लगी थी, जिस कारण धुआं भवन में अंदर नहीं गया, न ही किसी मरीज को शिफ्ट करने की आवश्यकता पड़ी।

वहीं, मौके पर मौजूद मेट्रो हॉस्पिटल के कर्मचारियों द्वारा आग को बुझाने की मदद की, जिससे आग एक दायरे में सीमित हो गई। फायर सर्विस यूनिट द्वारा मौके पर पहुंचकर आग को पूर्ण रूप से बुझा दिया गया है, तथा स्मोक एक्सट्रैक्शन सिस्टम का इस्तेमाल कर धुएं को बेसमेंट से बाहर निकाला दिया गया है।

उधर इस संबंध में मेट्रो अस्पताल ने भी बयान जारी किया है। मेट्रो अस्पताल के प्रबंधन द्वारा जारी किए गए बयान में कहा गया है कि आज सुबह लगभग 7:50 बजे, मेट्रो हॉस्पिटल नोएडा के ग्राउंड फ्लोर पर स्थित फिजियोथैरेपी कक्ष में आग लगने की सूचना अस्पताल की स्वचालित फायर अलार्म प्रणाली के सक्रिय होने से प्राप्त हुई। चूंकि यह कक्ष रात के समय बंद था, वहां कोई मरीज मौजूद नहीं था। अस्पताल की प्रशिक्षित फायर सेफ्टी टीम तुरंत मौके पर पहुंची और तत्काल कार्रवाई शुरू की। साथ ही नोएडा फायर विभाग को भी सूचित किया गया, जिन्होंने बहुत ही त्वरित प्रतिक्रिया दी।

अस्पताल की पूरी तरह कार्यशील फायर सेफ्टी प्रणाली, प्रशिक्षित स्टाफ की तत्परता, और नोएडा फायर विभाग की समय पर कार्रवाई के चलते आग पर 20 मिनट से भी कम समय में नियंत्रण पा लिया गया। हम नोएडा के मुख्य अग्निशमन अधिकारी की उपस्थिति और उनके द्वारा टीम के साथ मौके पर रहकर सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयासों के लिए आभार व्यक्त करते हैं। साथ ही, हम सेक्टर-24 नोएडा के थाना प्रभारी का भी धन्यवाद करते हैं, जो अपनी टीम के साथ समय पर पहुंचे और स्थिति को पूरी तरह से नियंत्रित बनाए रखने में सहयोग किया।

सावधानी के तौर पर आसपास मौजूद सभी स्टाफ को सुरक्षित रूप से बाहर निकाल लिया गया। यह बताते हुए हमें राहत है कि इस घटना में किसी व्यक्ति को कोई चोट नहीं पहुंची है। सभी फायर सेफ्टी प्रोटोकॉल का प्रभावी ढंग से पालन किया गया और अस्पताल की सभी सेवाएं अब पूर्ण रूप से बहाल हो चुकी हैं।

पुरानी रंजिश में हुआ...

पुलिस ने इस मामले में प्रथम पक्ष के रवि, गौरव, हरीश, गौरव, श्याम, निरंजन, नीरज, गोपाली, राजू व दूसरे पक्ष के शुभ, नमन, प्रमोद्, निखिल, कलुआ, कृष्ण, लाल बहादुर, ऋतिक, संगम व चंचल के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों के बीच पहले से ही तनातनी चली आ रही है। पूर्व में भी दोनों पक्षों द्वारा एक दूसरे के खिलाफ मुकदमे दर्ज कराए गए हैं।

महिला को गले लगाने...

आपको बता दें कि अमर किशोर कश्यप पर यह कार्रवाई यूपी बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी के निर्देश पर की गई है। पार्टी की ओर से जारी निष्कासन लेटर में लिखा है- आपको कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था कि आप अपना स्पष्टीकरण प्रदेश कार्यालय को उपलब्ध कराएं, लेकिन आपके द्वारा भेजा गया स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं है। आपका कृत्य घोर अनुशासनहीनता की परिधि में आता है। अत: काफी विचार-विमर्श के बाद प्रदेश अध्यक्ष के निर्देश पर आपको तत्काल पार्टी से निष्कासित किया जाता है। अमर किशोर का एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें वह पार्टी दफ्तर में एक महिला को गले लगा रहे थे।

पीएम से मुलाकात...

के तहत उठाया गया था। जानकारी के मुताबिक दिल्ली में बीजेपी के सभी विधायक, सांसद और प्रमुख पदाधिकारी आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से एक महत्वपूर्ण बैठक में मुलाकात कर सकते हैं। बताया जा रहा है कि इस बैठक में हिस्सा लेने वाले सभी लोगों को कोविड-19 का टेस्ट कराने का निर्देश दिया गया है। पीएम मोदी के साथ बैठक से पहले सभी को कोरोना की रिपोर्ट पेश करनी होगी।

कालकाजी के भूमिहीन...

कोर्ट के आदेश से डीडीए ने यहां घर खाली करने के नोटिस दिए। मंगलवार दोपहर से मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल परेड करती नजर आई थी। कार्रवाई का विरोध करने पर पुलिस ने लोगों को हिरासत में लिया गया था।

बता दें कि मंगलवार को कालकाजी विधानसभा स्थित भूमिहीन कैंप में झुग्गियों को तोड़ने की प्रक्रिया के बीच आम आदमी पार्टी ने नेता मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनकी हर मदद करने का आश्वासन दिया। दिल्ली की नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने आरोप लगाया कि झुग्गी वासियों की आवाज उठाने पर भाजपा ने उन्हें गिरफ्तार करवा दिया।

काली स्कॉर्पियो में...

पुलिस के मांगने पर आरोपी स्कॉर्पियो कार के कागजात नहीं दिखा पाया जिसका कारण एमवी एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए उसे भी सीज कर दिया गया। वहीं थाना सेक्टर-113 पुलिस ने चेकिंग के दौरान सेक्टर-71 अंडरपास मेट्रो पिलर के पास से विजेंद्र यादव निवासी ग्राम सर्फाबाद को गिरफ्तार किया। तलाशी में इसके पास से तमंचा कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए विजेंद्र यादव ने बताया कि वह तमंचा अपने शौक व लोगों को डराने के लिए रखता है। पुलिस ने पकड़ा गए दोनों आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज न्यायालय में पेश किया है।

साली को क्रेटा देने पर...

मारपीट कर उसे मायके भेज दिया। कुछ समय बाद अंकुर त्यागी के मौसी उसके मायके आई और अपनी गारंटी पर उसे ससुराल वापस ले गई। 9 जून की रात्रि को अंकुर ने उसके साथ मारपीट की जिससे उसे सर में कई जगह छोटे आई। मारपीट कर घायल करने के बाद अंकुर त्यागी ने यह कहकर उसे घर से निकाल दिया कि जब वह मायके से क्रेटा गाड़ी लेकर आएगी तभी उसे अपने साथ रखेगा। उसके बाद उसने अपने मायके वालों को फोन कर सूचना दी जिसके बाद मायके वाले उसे अपने साथ ससुराल से लेकर चले गए। पीड़िता का आरोप है कि उसका पति शराब पीकर उसके साथ मारपीट करता है और जान से मारने की धमकी देता है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

खास खबर

एंडरसन ने तेज गेंदबाजों को दी अहम सलाह

लंदन । इंग्लैंड के दिग्गज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने यहां बुधवार से लॉड्‌र्स में शुरू हो रहे विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल से पहले दक्षिण अफ्रीकी और ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों को अहम सलाह दी है। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका के पास जहां कागिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी और मार्को जेनसन जैसे तेज गेंदबाज हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया के पास कप्तान पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड जैसे गेंदबाजों की तिकड़ी है। लॉड्‌र्स में एक कार्यक्रम के दौरान एंडरसन ने कहा, यहां निश्चित रूप से आपको गेंद को ऊपर की ओर पिच करने की जरूरत है। बहुत से लोग ऑफ स्टंप के ऊपरी हिस्से की लैंथ को गेंदबाजी के लिए अच्छा मानते हैं पर मुझे लगता है कि यहां यह स्टंप से तीन-चौथाई ऊपर रहती है। एंडरसन ने कहा, इस तरह से आप थोड़ी फुल लेंथ में होंगे, इसलिए तेजी गेंदबाजों के लिए इस प्रकार की गेंदबाजी ही अच्छी रहेगी।

नया क्रिकेट स्टेडियम बनाने की मांग उठी

बेंगलुरु । यहां आरसीबी की विक्ट्री परेड के दौरान हुए एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़ के बाद से ही शहर में नये स्टेडियम को बनाने की मांग जोर पकड़ने लगी है। विक्ट्री परेड के दौरान बहुत ज्यादा भीड़ स्टेडियम के बाहर इकट्ठा हो गई। जितने ज्यादा से ज्यादा दर्शकों को स्टेडियम में प्रवेश मिल गया। ऐसे में भगदड़ मच गयी। जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई जबकि कई अन्य घायल हो गये। चिन्नास्वामी स्टेडियम की दर्शक क्षमता 35 से 40 हजार के बीच है, जबकि शहर की आबादी करीब 1.5 करोड़ है। इसके अलावा स्टेडियम में पर्याप्त पार्किंग की सुविधा भी नहीं है। जब ये स्टेडियम बना था तो उस समय बेंगलुरु की आबादी 16 लाख थी। ऐसे मे अब ये स्टेडियम छोटा पड़ने लगा है। इसी कारण एक ऐसे नये स्टेडियम की जरुरत महसूस हो रही है। जिसमें पार्किंग और सार्वजिनिक परिवहन सहित सभी सुविधाएं हों। इसकी मांग करने वालों का कहना है कि शहर की आबादी तो बढ़ी है पर 18 साल में आईपीएल भी बहुत आगे बढ़ चुका है।

पूरन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा

जमैका। वेस्टइंडीज के विकेटकीपर-बल्लेबाज निकोलस पूरन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। पूरन अभी 29 साल के ही हैं और उनका प्रदर्शन भी काफी अच्छा रहा है, ऐसे में उनके संन्यास लेने से प्रशंसक निराश हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भी कहा है कि उसे पूरन ने संन्यास लेने की जानकारी दी है। पूरन हाल ही में संन्यास लेने वाले दूसरे क्रिकेटर हैं। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। पूरन ने संन्यास की घोषणा करते हुए सोशल मीडिया में लिखा, मैंने काफी सोचने और विचार-विमर्श करने के बाद खेल से संन्यास की घोषणा की हे। यह खेल जिससे हम प्यार करते हैं, उसने बहुत कुछ दिया है और देता रहेगा। मैरून जर्सी पहनना, राष्ट्रीय गीत के लिए खड़े होना, और हर बार मैदान पर उतरते समय अपना सब कुछ देना गर्व का अनुभवी कराती है।

खिताब बरकरार रखने उतरेगी ऑस्ट्रेलिया

एजेंसी

लंदन । ऑस्ट्रेलियाई टीम बुधवार से शुरू हो रहे विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर एक बार फिर खिताब बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी। उसने आईसीसी की सभी ट्रॉफी जीती हैं जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। है। आईसीसी टूनार्मेंटों में वह और भी आक्रामक बनकर उतरती है। वह आईसीसी टूनार्मेंटों में 13 बार फाइनल में पहुंची है जिसमें में 10 बार उसने जीत हासिल की है। ऐसे में इस बार भी उसकी दावेदारी प्रबल मानी जा रही है। वहीं दक्षिण अफ्रीका की टीम अहम मैचों में दबाव में ढ़ह जाती है। ये एक नहीं कई बार की कहानी रही है जिससे इस बार दक्षिण अफ्रीकी युवा टीम बदलना चाहेगी। इस टीम ने अब तक आईसीसी का केवल एक टूनार्मेंट जीता है। टीम ने केवल 1998 में चैंपियंस ट्रॉफी खिताब जीता था हालांकि इस बार दक्षिण अफ्रीका की इस टीम में अनुभव और युवा खिलाड़ियों का अच्छा संयोजन है जिसका लाभ वह उठाना चाहेगी। टीम ने डब्ल्यूटीसी के 2023-25 चक्र में सबसे ज्यादा 30 खिलाड़ियों का इस्तेमाल किया। इसमें से ज्यादातर खिलाड़ी सही समय पर रन बनाने वाले या विकेट लेने वाले निकले। टीम लगातार सात टेस्ट में जीत के साथ डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंची है जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। उसने पिछले साल दिसंबर में ही अपनी जगह पक्की कर ली थी। ऑस्ट्रेलिया की टीम पिछले फाइनल जैसी ही है। केवल उसमें इस बार डेविड वार्नर नहीं हैं। मध्यम गति के गेंदबाज जोश हेजलवुड उस मैच को चोट के कारण नहीं खेल पाए थे। वह हालांकि उस टीम में शामिल रहे स्कॉट बोलैंड की जगह लेने के लिए तैयार है। हेजलवुड ने कंधे की चोट से उबरते हुए पिछले सप्ताह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को आईपीएल चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई है। वह उसी प्रदर्शन को बनाये रखना चाहेंगे। वहीं टीम में शामिल 19 साल के सैम कोंस्टास से भी उसे उम्मीदें हैं। ट्रेविस हेड पहली बार की तरह ही इस बार भी अपनी भूमिका निभाने उतरेंगे। मध्यक्रम में मार्नस लाबुशेन को खराब फॉर्म से बाहर आने की उम्मीद है। ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी भी अच्छी है। उसके पास कप्तान पैट कमिंस के अलाव जोश हेजलवुड, मिशेल स्टार्क जैसे गेंदबाज है। वहीं दक्षिण अफ्रीका की बात करें तो उसके पास वामहस्त तेज गेंदबाज यानसेन के अलावा लुंगी एनगिडी और डेन पैटरसन हैं।

दबाव वाले हालात को चुनौती की तरह लेते हैं श्रेयस अय्यर

एजेंसी

मुंबई । भारत के स्टार क्रिकेटर श्रेयस अय्यर ने कहा कि उन्हें कप्तानी पसंद है क्योंकि इससे वह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाते हैं। अय्यर ने पंजाब किंग्स को आईपीएल फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाते हुए 604 रन बनाए लेकिन इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिये भारतीय टीम में जगह नहीं बना सके। अय्यर ने सोबो मुंबई फाल्कंस को टी20 मुंबई लीग सेमीफाइनल में पहुंचाने के बाद कहा, ह्यकप्तानी से काफी परिपक्वता और जिम्मेदारी आती है। आपसे हमेशा अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद की जाती है और आप टीम के लिये सर्वश्रेष्ठ योगदान देना चाहते हैं। किसी भी तरह की विषम परिस्थिति या प्रतिकूलता में टीम कप्तान के ही पास आती है। उन्होंने कहा, मैं 22 वर्ष की उम्र से कप्तानी कर रहा हूं। मुझे इसमें मजा आता है। अय्यर ने कहा कि दबाव वाले हालात को वह चुनौती की तरह लेते हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा, मैं अपने जोन में जाने की कोशिश करता हूं। मैं प्रयास करता हूं कि पूरा फोकस रहे, वर्तमान में रहूं और हालात को देखकर प्रदर्शन करूं। मैं खुद से कहता रहता हूं कि मैं चाहता हूं कि दर्शकों की जुबां पर मेरा नाम हो और इससे मुझे प्रेरणा मिलती है। अय्यर ने कहा कि इस टूनार्मेंट में जाने पहचाने चेहरों के साथ खेलकर अच्छा लग रहा है जो उनके बचपन के दिनों के क्रिकेट के सफर में उनके साथ थे।

इंडिया ए और इंग्लैंड लॉयन्स के बीच मैच ड्रॉ

- दूसरे अनधिकृत टेस्ट में तनुष और कंबोज ने लगाये अर्धशतक

एजेंसी

नॉर्थम्पटन । यहां इंडिया ए और इंग्लैंड लॉयन्स के बीच हुआ दूसरा अनधिकृत टेस्ट मैच भी ड्रॉ रहा है। इस मैच में इंडिया ए के दिये 439 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड लॉयन्स की टीम अंतिम दिन अपनी दूसरी पारी में तीन विकेट पर 32 रन ही बना पायी। वहीं इससे पहले इंडिया ए ने पहली पारी में 348 रन बनाने के बाद इंग्लैंड लॉयन्स को 327 रन पर आउट करके 21 रन की बढ़त हासिल की थी। इस पकार इस सीरीज के दोनो ही मैच ड्रॉ रह। इससे पहले केंटरबरी में हुए पहले मैच में भी कोई परिणाम नहीं निकला था। इस मैच में इंडिया ऐ ने तनुष कोटियान के नाबाद 90 रनों और अंशुल कंबोज के नाबाद 51 रनों की सहायता से दूसरी पारी में सात विकेट पर 417 रन बनाकर पारी घोषित कर दी थी। इसके बाद मेजबान टीम को जीत के लिए 439 रनों का लक्ष्य मि था। भारतीय गेंदबाजों ने एमिलियो गे 05 और जोर्डन कॉक्स को शून्य पर ही पवेलियन भेज दिया। इससे इंग्लैंड लॉयन्स शुरूआत में ही लड़खड़ा गयी। शीर्ष क्रम को झकझोरा। तुषार देशपांडे ने 13टॉम हेन्स को 07 रनों पर ही आउट कर दिया। मैच जब ड्रॉ घोषित किया गया उस समय सलामी बल्लेबाज बेन मैकिनी 16 रन बनाकर खेल रहे थे जबकि दूसरे छोर पर कप्तान जेम्स रेव शून्य पर थे। कोटियान ने इससे पहले 108 गेंद की अपनी पारी में 10 चौके मारे। इंडिया ए की ओर से इस मैच में तनुष और कंबोज ने इंग्लैंड लॉयन्स के गेंदबाजों को एक भी अवसर नहीं दिया। दोनों ने आठवें विकेट के लिए 149 रन की बनाये। कंबोज ने भी शानदार पारी खेली। तनुष ने 74वें ओवर में बेन मैकिनी की गेंद पर चार रन के लिए खेलकर अपना 16वां प्रथम श्रेणी अर्धशतक पूरा किया।

झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के नव निर्वाचित पदाधिकारियों को किया गया सम्मानित

एजेंसी

रांची । मंगलवार को रांची जिला क्रिकेट संघ के द्वारा झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के नव निर्वाचित पदाधिकारियों को जिला संघ के कार्यालय, जेएससीए स्टेडियम, धुर्वा में किया गया। सम्मान समारोह में निम्नलिखित नव निर्वाचित पदाधिकारी अजय नाथ शहदेव अध्यक्ष, संजय पाण्डेय उपाध्यक्ष, सचिव सौरव तिवारी, कार्यकारणी सदस्य रमेश कुमार, संजय जैन ,श्रीराम पूरी, राघवेंद्र नारायण सिंह ,उमा महेश्वर राव ,उत्तम कुमार बिस्वास,को रांची जिला के पदाधिकारियों के द्वारा सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह में रांची जिला क्रिकेट संघ के राजू शर्मा कार्यकारी अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, अरविंद श्रीवास्तव, विभूति भूषण अमर, सचिव शैलेंद्र कुमार कोषाध्यक्ष सौमित्र पटनायक कार्यकारणी सदस्य चंचल भट्टाचार्य, अनवर मुस्तफा,सुरेश कुमार, मुज्जफर अली, मो. उजैर सहायक सचिव सुनील पाल, शम्भु सिन्हा, अंजना दुबे तथा मुक्तेश सिंह , हिमांशु शेखर,रौनी सिंह, दिलीप कुमार,दिलीप सिंह, देवेश चंद्रा, गिरीश प्रसाद, शाहिद मिर्जा, सूरज पांडे, आदि मौजूद थे।

टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज बने बटलर

एजेंसी

ब्रिस्टल । इंग्लैंड के बल्लेबाज जोस बटलर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज के पहले दो मैचों में शानदार प्रदर्शन से टी20 अंतरराष्ट्रीय में एक अहम उपलब्धि भी अपने नाम कर ली है। इसी के साथ ही अब टी20 प्रारुप में उनके कुल रन 3678 हो गये हैं। ऐसे में वह अब वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। बटलर ने इसी के साथ ही आयरलैंड के पॉल स्टर्लिंग 3656 रन को पांचवे नंबर पर धकेल दिया है। बटलर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले शीर्ष 5 खिलाड़ियों में इंग्लैंड के एकमात्र बल्लेबाज हैं। बटलर से आगे अब केवल भारत के रोहित शर्मा, पाकिस्तान के बाबर आजम और भारत के विराट कोहली हैं। इन तीनों ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 4100 या इससे ज्यादा रन बनाए हैं। रोहित ने 4231, बाबर ने 4223 और विराट ने 4188 रन टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में बनाए हैं। रोहित और विराट ने टी20 से संन्यास ले लिया है। ऐसे में केवल आजम से ही बटलर की प्रतिस्पर्धा रहेगी। ।ब्रिस्टल में खेले गए मैच में बटलर ने 36 गेंदों में 47 रन बनाए। इससे पहले उन्होंने 96 रनों की पारी खेली थी।

आरबसीबी में अपनी हिस्सेदारी बेचेगी डियाजियो

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18 सत्र की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बिकने की संभावनाए हैं। एक रेटिंग फर्म की रिपोर्ट के अनुसार इसकी एक हिस्सेदार ब्रिटिश डिस्टिलरी कंपनी डियाजियो पीएलसी आईपीएल की इस फ्रेंचाइजी को बेचने पर विचार कर रही है। वह आरसीबी में अपनी कुछ हिस्सेदारी या फिर पूरा का पूरा स्टेक ही बेच सकती है। डियाजियो के पास अपने भारतीय यूनिट यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड के तहत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का मालिकाना अधिकार है। रिपोर्ट के मुताबिक, डियाजियो ने हालांकि आरसीबी को बेचना ही है पर अभी तक इसपर आखिरी फैसला नहीं हुआ है।इसे लेकर डियाजिओ और यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड ने अभी तक कोई बयान नहीं दिया है।

रोहित के 2027 एकदिवसीय विश्वकप में खेलने पर उठे सवाल

एजेंसी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के एकदिवसीय कप्तान रोहित शर्मा का लक्ष्य 2027 एकदिवसीय विश्वकप जीतना है। पिछले विश्वकप में वह फाइनल की दहलीज पर पहुंचकर भी उसे हासिल नहीं कर पाये थे। रोहित अभी 38 साल के हैं ऐसे में उनकी उम्र विश्वकप तक 40 साल हो जाएगी और इन हालातों में उनको टीम में रखा जाता है या नहीं ये देखना होगा। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को लग रहा था कि चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद ही रोहित संन्यास लेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। ऐसे में उनके एकदिवसीय करियर को लेकर चयनकताओं क्या फैसला करते हैं। ये देखना होगा। रोहित ने टी20 और टेस्ट से संन्यास ले लिया है और अब वह एक ही प्रारुप में खेल रहे हैं। रोहित ने अपनी कप्तानी में टी-20 विश्व कप जीतने के बाद ही इस प्रारुप को अलविदा कह दिया था। पिछले साल बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में टीम इंडिया के खराब प्रदर्शन के कुछ मई में उन्होंने टेस्ट को भी अलविदा कह दिया। अब वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एकदिवसीय मैचों में ही नहर आयेंबे। इस साल चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद उन्होंने कहा था कि वह अभी एकदिवसीय खेलते रहेंगे उसके बाद से ही उनके संन्यास की अटकलें समाप्त हो गयीं थीं। फाइनल में न्यूजीलैंड को हराने के बाद रोहित शर्मा ने कहा था, एक और बात, मैं इस प्रारुप से संन्यास लेने नहीं जा रहा हूं। मैं बस यह पक्का करने के लिए कह रहा कि कोई अफवाह न फैले। बहुत-बहुत धन्यवाद। वहीं बोर्ड को उम्मीद थी कि रोहित चैंपियंस ट्रॉफी के बाद एकदिवसीय से संन्यास की घोषणा कर देंगे। साथ ही कहा कि एकदिवसीय को लेकर रोहित और चयनकताओं के बीच कोई चर्चा नहीं हुई है। रोहित सीमित ओवरों के क्रिकेट में महान बल्लेबाजों और कप्तान में शामिल हैं। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम आईसीसी के पिछले तीन टूनार्मेंट्स में एक एक मैच हारी है। पिछले दो साल में रोहित ने 2 आईसीसी चैंपियनशिप टी-20 विश्व कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में कप्तानी करते हुए टीम को जीत दिलायी। दोनों में भारत ने जीत दर्ज की। वहीं अब एकदिवसीय क्रिकेट में रोहित के भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं। अगले विश्वकप तक क्या वह फिट रहेंगे ये भी एक बड़ा सवाल होगा।भारत की अगली एकदिवसीय सीरीज अगस्त में बांग्लादेश से खेलनी है।

धोनी आईसीसी हाल ऑफ फेम में शामिल

एजेंसी

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी को हॉल ऑफ फेम में शामिल किया है। धोनी आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किये गये 11वें भारतीय क्रिकेटर हैं। साल 2004 में अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के बाद से ही धोनी ने 2007 में पहले टी20 विश्व कप में भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए उसे जीत दिलायी थी। उन्होंने 2011 में एकदिवसीय विश्व कप और 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। वह आईसीसी की सीमित ओवरों की तीनों ट्रॉफी जीतने वाले अकेले कप्तान हैं। धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम साल 2009 में पहली बार आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंची थी। उन्होंने 2020 में अंतराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने सभी आईसीसी ट्रॉफियां जीती हैं। आईसीसी ने धोनी के नाम की घोषणा करते हुए कहा, कठिन हालातों में भी अपने शांत स्वभाव और अनूठे रणनीतिक कौशल के लिए जाने जाने के साथ ही साथ ही छोटे प्रारूपों में शीर्ष स्तर के खिलाड़ी और सबसे महान फिनिशर, नेतृत्वकर्ता और विकेटकीपर के रूप में उनकी उपलब्धियों को देखते हुए आईसीसी उन्हें क्रिकेट हॉल ऑफ फेम में शामिल करता है। साथ ही कहा, भारत के लिए 17,266 अंतरराष्ट्रीय रन, 829 शिकार और विभिन्न प्रारूपों में 538 मैच के साथ धोनी के आंकड़े ना केवल उत्कृष्टता बल्कि असाधारण स्थिरता, फिटनेस और लंबे करियर को दिखाते हैं। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि यह सम्मान हमेशा उनके साथ रहेगा। वहीं धोनी ने कहा, आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होना मेरे लिए सम्मान की बात है, जो विभिन्न पीढ़ियों और दुनिया भर के क्रिकेटरों के योगदान को मान्यता देता है। ऐसे सर्वकालिक महान खिलाड़ियों के साथ आपका नाम याद किया जाना एक अद्भुत एहसास है। यह कुछ ऐसा है जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगा। गौरतलब है कि धोनी ने अपने करियर में 350 एकदिवसीय मैचों में 50.57 की औसत से 10773 रन बनाए। उन्होंने 90 टेस्ट मैचों में 38.09 की औसत से 4876 रन बनाये। वहीं, धोनी ने 98 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 37.60 की औसत से 1617 रन बनाये।

धोनी को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किए जाने के सम्मान में समारोह आयोजित

एजेंसी

रांची। झारखंड राज्य क्रिकेट संघ ने एमएस धोनी को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किए जाने के सम्मान में एक समारोह का आयोजन किया। 2025 बैच के हिस्से के रूप में, लॉड्‌र्स में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की पूर्व संध्या पर धोनी की उल्लेखनीय उपलब्धि की घोषणा की गई, जिसमें क्रिकेट में उनके उत्कृष्ट योगदान को मान्यता दी गई। अपने शानदार 14 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान, महेंद्र सिंह धोनी ने कई पुरस्कार अर्जित किए, भारत को कई जीत दिलाई और क्रिकेट के महानतम दिग्गजों में से एक के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की।जेएससीए समारोह में अजय नाथ शाहदेव (अध्यक्ष), संजय पांडे (उपाध्यक्ष), सौरभ तिवारी (सचिव), अमिताभ घोष (कोषाध्यक्ष) और अन्य सम्मानित समिति के सदस्यों के साथ-साथ एसोसिएशन के सदस्य भी शामिल हुए, जो धोनी की उल्लेखनीय विरासत का जश्न मनाने के लिए एकत्र हुए थे।

अर्जेंटीना के खिलाफ मुकाबलों के लिए तैयार भारतीय पुरुष हॉकी टीम

- एम्स्टर्डम में खेले जाएंगे अगले दो मुकाबले
- हार से उबरकर जीत की राह पर लौटने की कोशिश

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024/25 (पुरुष) के यूरोपीय चरण में अब तक उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी है। हालांकि नीदरलैंड्स के खिलाफ करीबी हार अब अतीत की बात हो चुकी है और टीम अब अपना पूरा ध्यान अर्जेंटीना के खिलाफ आगामी दो मुकाबलों पर केंद्रित कर रही है, जो एम्स्टर्डम में खेले जाएंगे। हाल के वर्षों में भारत और अर्जेंटीना के बीच कई मुकाबले देखने को मिले हैं, जिसमें भारत का पलड़ा अब तक भारी रहा है। पेरिस 2024 ओलंपिक में दोनों टीमों के बीच रोमांचक ड्रॉ देखने को मिला था, जबकि एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023/24 (पुरुष) में भारत ने अर्जेंटीना को दो बार हराया था- जिसमें एक जीत शूटआउट के जरिए हासिल हुई थी।भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने मैच से पहले कहा, हम जानते हैं कि अर्जेंटीना के खिलाफ मुकाबले कितने चुनौतीपूर्ण होने वाले हैं। टीम रोजाना कड़ी मेहनत कर रही है और हम अच्छे प्रदर्शन को लेकर आश्वस्त हैं। अर्जेंटीना एक मजबूत टीम है और इस स्तर पर कोई भी मैच आसान नहीं होता। प्रतियोगिता में अब तक 15 अंकों के साथ भारत अंक तालिका में चौथे स्थान पर है और उसे कुल छह मुकाबले और खेलने हैं। एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप 2026 में स्थान सुनिश्चित करने के लिए शेष मैचों में भारत को अधिकतम अंक हासिल करने होंगे। आगामी राह पर चर्चा करते हुए हरमनप्रीत ने कहा, ह्लहम हर परिस्थिति के लिए तैयार हैं। इस टूनार्मेंट के लिए हमने कई रणनीतियों और संयोजनों पर काम किया है। हमें उम्मीद है कि अर्जेंटीना के खिलाफ हम दमदार प्रदर्शन करेंगे। एफआईएच हॉकी प्रो लीग (पुरुष) के इतिहास में भारत को अर्जेंटीना के खिलाफ अब तक रेगुलेशन टाइम में एक भी हार नहीं मिली है। केवल एकमात्र हार 2022 में भुवनेश्वर में शूटआउट के दौरान हुई थी। अब जबकि दोनों आगामी मुकाबले एम्स्टर्डम में खेले जाएंगे, भारतीय टीम अपने शानदार रिकॉर्ड को बरकरार रखने की कोशिश करेगी। हरमनप्रीत ने अंत में कहा, ॅहमारा रिकॉर्ड अर्जेंटीना के खिलाफ अच्छा रहा है, लेकिन हम किसी भी तरह की ढिलाई नहीं बरतना चाहते। पिछले नतीजे बीत चुके हैं- हमें वर्तमान में प्रदर्शन करना होगा ताकि वर्ल्ड कप क्वालीफिकेशन की राह मजबूत बनी रहे। टीम ने मेहनत की है और कोचिंग स्टाफ ने पूरा समर्थन दिया है। मुझे यकीन है कि हम अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

लंदन में टेनिस चैम्पियनशिप में खेलती हुई ब्राजील की बियेट्रिज हडाड मेया।

रिसर्च: तो इसलिए बेटियां बेटों से ज्यादा होशियार होती हैं

आमतौर पर पढ़ाई के मामले में बेटियों की होशियारी की सब तारीफ करते हैं। स्कूल जाने वाली बेटी की होशियारी का एक नमूना बीते साल भी देखने को मिला, जब इग्लैंड में 80,000 बच्चों (लड़कों) को रिसेप्शन क्लास में रखा गया। इनमें से ज्यादातर लड़के ऐसे थे, जिन्हें वाक्यों की संरचना भी नहीं आती थी। रिसेप्शन क्लास स्कूल से पहले बच्चों को बोलना सिखाती है। आश्चर्य की बात यह थी कि इस कक्षा में एक भी लड़की शामिल नहीं थी।

इस बात को समझने के लिए यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टन ने स्कूल में पहली बार दाखिला लेने के लिए तैयार बच्चे और बच्चियों का अध्ययन किया और पाया कि बेटों के मुकाबले बेटियां पहली बार स्कूल बेहतर तैयारी के साथ जाती हैं। स्कूल में दाखिला लेने से पहले ही उनकी भाष और शब्दों की समझ बेटों की तुलना में बेहतर हो जाती है। बेटे और बेटियों के बीच का यह फासला आगे बड़ी क्लास तक पहुंचते-पहुंचते और भी ज्यादा हो जाता है और लड़के, लड़कियों की तुलना में पीछे छूट जाते हैं। अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार दरअसल ऐसा इसलिए हुआ है, क्योंकि बच्चियां अपनी मां के साथ ज्यादा वक्त गुजारती हैं। जबकि बेटे खेलकूद में ज्यादा वक्त खर्च करते हैं। मां के साथ रहते हुए बच्चियों को भाषओं की वर्णमाला और कविताएं सीखने का मौका ज्यादा मिलता है। माएं बेटियों को पढ़ना, लिखना, गाना, पेंटिंग बनाना, कविताओं आदि के लिए ज्यादा समय दे पाती हैं। विशेषज्ञों ने रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अध्ययन के नतीजे बेहद तथ्यात्मक हैं और रोचक भी। इस अध्ययन से यह बात स्पष्ट हो गई है कि बेटे और बेटियों के बीच का यह फर्क किसी भेदभाव का नतीजा न होकर इस बात का संकेत है कि तीन साल की उम्र में लड़के, लड़कियों के मुकाबले खेलकूद की गतिविधियों में ज्यादा रुझान रखते हैं।

गाय की खुशी बढ़ाएगी दूध में कैल्शियम का स्तर

अकसर लोगों को कहते सुना होगा कि गाय का दूध हेल्थ के लिहाज से श्रेष्ठ होता है, इसलिए लगभग हर परिवार में गाय का दूध ही डेली रूटीन में इस्तेमाल किया जाता है। हर उम्र के लोगों के लिए बेस्ट माने जाने वाले गाय के दूध के फायदों से आज कौन अंजान हैं। कैल्शियम का अच्छा स्रोत होने के साथ-साथ बच्चों के दिमाग को मजबूती देने में भी सहायक होता है। ऐसे में हर कोई चाहता है कि वह दिन में कम से कम एक बार अपने रूटीन में शामिल करें। फिर चाहे वह सिंपल दूध के रूप में हो या दही, पनीर आदि के रूप में। क्या आप जानते हैं जो दूध आप पी रहे हैं, उसे ज़्यादा पौष्टिक कैसे बनाया जा सकता है? जी नहीं, अगर आप सोच रहे हैं, संप्लीमेंट्स, कॉम्पलेंट्स और हॉरलेक्स इसका सही जवाब नहीं है। इसका सही जवबा है गाय की खुशी। हैरान होने की बात नहीं है। आपको बता दें कि एक नए अध्ययन से इस दिलचस्प बात का खुलासा हुआ है कि गाय जब खुश होती है, तो पहले से कहीं गुना ज़्यादा पौष्टिक दूध देती है। इतना ही नहीं, इससे कैल्शियम का स्तर भी बढ़ जाता है।

कॉफी पीने के हैं ढेर सारे फायदे

बहुत से लोगों के दिन की शुरुआत एक ब्लैक कॉफी के मग के साथ ही होती है। लेकिन इसके बावजूद कॉफी पीने के नुकसान लोग ज्यादा गिनाते हैं। सच तो ये है कि कॉफी नुकसान तब करती है जब एक दिन में पांच कप या इससे ज्यादा पी जाए। एक या दो कॉफी के कप तो सेहत के लिए अच्छे माने गए हैं। जानिए कैसे -

- कॉफी की क्वालिटी बहुत मायने रखती है। जर्मनी के एक शोध में पाया गया की डार्क रोस्ट कॉफी पीने से डीएनए इम्प्रूव होता है। आम तौर पर कॉफी बीन्स में पेस्टिसाइड्स का छिड़काव किया जाता है। इसलिए ऑर्गेनिक कॉफी का चुनाव करें।
- कॉफी ठंडी पीने से हेल्थ-बेनिफिट्स ज्यादा मिलते हैं। गर्म कॉफी ज्यादातर फायदे खत्म कर देती है।
- कॉफी सही अनुपात में पी जाए तो वैस्क्युलर हेल्थ सुधारती है और शरीर को पोषण भी देती है।
- मसल-रीजेनेरेशन और सेल्युलर रीसाइक्लिंग के लिए भी फायदेमंद है कॉफी।
- कॉफी लीवर पर फैट नहीं जमा होने देती है और कोलैजेन कंट्रोल रखती है। लेकिन तब जब इसे मॉडरेशन में पीया जाए।
- एल्जाइमर और डिप्रेशन से बचाव भी करती है कॉफी। इसके लिए ये जरूरी है की कॉफी को रेग्युलर और मॉडरेशन में पीया जाए। ऐसा इसलिए सम्भव है क्योंकि कॉफी में ऐन्टीऑक्सीडेंट्स बहुत ज्यादा होते हैं।

क्या आप कपड़े खरीदने की सोच रहे है

अगर आप भी उन लोगों में से हैं जो यह मानते हैं कि कलेक्शन में कई कपड़े कीमती नजर नहीं आते हैं और कुछ हद तक चीप भी लगते है तो इन टिप्स पर जरूर गौर फरमाएं :

एक महंगी सफ़ेद शर्ट पर हजारों रुपए खर्च करने से अच्छा है कुछ बेसिक रंग का घर ले आइए। पैसा हमेशा उन चीजों में लगाइए जो ट्रेंड में हैं। जैसे लेदर जैकेट या फ्लोरल पैंट चलन में हैं तो इन पर इन्वेस्ट कीजिये। नीले रंग की जीन्स या सफ़ेद शर्ट तो हमेशा ही पूछे जाते हैं तो इन्हें ऐसेसराइज करने के बारे में सोचिये।

ब्राउन, मौव और दूसरे अर्दी कलर्स जैसे क्रीम, ओलिव दो या तीन धुलाई के बाद ही फ़ेड हैं। इनके मैटेरियल्स की क्वालिटी ठीक नहीं है तो फिर तो एक बार धोना ही इन्हें बर्बाद कर सकता है। एक घिसी हुई ब्राउन टी-शर्ट पहनने से अच्छा है ब्लैक या वाइट पहनें। लाइट ब्लू और पिंक भी पहना जा सकता है। वैसे बता दें कि ब्लैक में कितनी भी कमियां क्यों न दिख रही हो, लेकिन यह रंग हमेशा महंगा होने का अहसास देता है।

जब बात ट्राउजर या कोट की हो तो न्यूट्रल रंगों पर ही भरोसा करें। कैमल, क्रीम, सैंड जैसे ऑप्शंस में से कुछ चुना जा सकता है। इन रंगों के कपड़ों को लंबे वक्त तक संभालना भले ही थोड़ा मुश्किल हो लेकिन जब आप इन्हें पहनते हैं तो पूरा पैसा वसूल हो जाता है। इन्हें हमेशा ही ब्लैक के साथ पहन सकते हैं, यह सुरक्षित विकल्प है और रिच दिखने वाला भी।

कोई भी कपड़ा तब बिलकुल अच्छा नहीं लग सकता जब उस पर सल नजर आ रहे हों। अक्सर सस्ते कपड़े सिंथेटिक मटेरियल के ही बने होते हैं। इन पर प्रेस नहीं फ़ेरी जा सकती इसलिए स्टीमर बेहतरीन विकल्प हैं। अगर आप इन्हें नहीं धोना चाहते हैं तो स्टीम करें और रात भर के लिए हेंगर पर छोड़ दें। ध्यान रहे कमरे में हवा अच्छे से आ रही हो, सुबह यह ड्रेस पहनने लायक सूख जाएगी। कभी भी वो कपड़े नहीं खरीदे जिन पर पहले से ही खूब ताम-झाम लटक रहे हों। कहने का मतलब है एक सिंपल टी-शर्ट खरीदें और फिर चाहें तो उस पर कोई महंगी जूलरी कैरी करें। ऐसी टी-शर्ट पर पैसे जाया न करें जिस पर पहले से ही कोई चैन या लटकन लगी हो। यह ताम-झाम चीजों को गैरजरूरी ढंग से खूब महंगा भी कर देते हैं। एक बार कपड़े पहनना और फिर धुलने के लिए वाशिंग मशीन के हवाले कर देने की आदत बदल लीजिए। जरूरी नहीं कि हर बार पहनने के बाद कपड़ा धुलने ही जाए। कितना ही कीमती कपड़ा क्यों न हो, हर धुलाई उसकी उम्र और चमक कम करती ही है। इसलिए सिर्फ इतना करें कि इन्हें ताजी और ठंडी हवा में कुछ घंटो के लिए टांग दें। दाग लग गए हैं तो स्पॉन्ज पर वाशिंग पाउडर लगा कर साफ कर लें, बजाय पूरे कपड़े को तर करने के।

हर चीज तभी अच्छी लगती है जब वो आप पर परफ़ेक्टली फिट हो रही हो। चीप कपड़े अक्सर फिटिंग में भी खराब होते हैं। अच्छी फिटिंग में यह ताकत होती है कि वो 500 रुपए की शर्ट को 2500 रुपए का महसूस कराये। इसलिए सस्ता कुछ भी खरीदें तो एक बार टेलर के पास जरूर ले जाएं और अपने हिसाब से फिट करवा लें।

अगर आपको चीजों को अपने ही हाथ से करना पसंद है तो किसी भी टी-शर्ट में लेस लगाने से शुरुआत कीजिये। इस तरह आप एक सिंपल सफ़ेद टी-शर्ट को फैंसी बना सकते हैं। बस इतना ध्यान रहे कि आपकी खरीदी हुई लेस सस्ती नजर आने वाली नहीं हो। यह भी ख्याल रहे कि धागे ठीक तरह से ट्रिम कर दिए गए हों।

गर्भवती महिलाओं के लिए डिजाइनर ड्रेस

गर्भावस्था किसी स्त्री के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण दौर होता है। इस समय कई महत्वपूर्ण बदलाव आते हैं। ऐसे में स्त्रियों को अपने फिगर और ड्रेस को लेकर कई चिंताएं सताने लगती हैं। ड्रेस का चुनाव करते समय कुछ बातों का खयाल रखें और दिखें स्टाइलिश।

स्टाइलिश लुक के लिए

अगर वेस्टर्न वेयर पहनने की शौकीन हैं तो अब मैटरनिटी के लिए खासतौर पर डिजाइन की गई जींस ही पहनें। इसमें आप कंफर्टेबल महसूस करने के साथ ही स्टाइलिश भी दिखेंगी।

- वेस्टर्न वेयर में पलाजो सबसे आरामदायक ड्रेस है, जिसे टी-शर्ट या शॉर्ट कुर्ती के साथ टीमअप किया जा सकता है। स्मार्ट लुक के लिए शर्ट या टी-शर्ट के साथ स्टोल या स्कार्फ भी डाल सकती हैं, जो आपको एक बेहतरीन लुक देगा।
- किसी पार्टी में जाना हो तो लॉन्ग या मैक्सी ड्रेस पहन सकती हैं।
- सॉफ्ट कॉटन के लूज टॉप, ए-लाइन या वेस्ट लाइन वाली ड्रेस भी पहन सकती हैं।
- अगर ट्रेडिशनल वेयर पहनने का मन हो तो कॉटन की कंफर्टेबल कुर्ती आपके लिए बेस्ट ऑप्शन होगी।
- कोबाल्ट ब्लू, पीकॉक ग्रीन, लेमन येलो जैसे वाइब्रेंट कलर्स चुनें।
- ज्वैलरी कम से कम पहनें। छोटे इयरिंग्स, फंकी बैंगल्स, हल्की चेन पहन सकती हैं।

क्या न पहनें

- ऐसे परिधान न पहनें जिनमें
- कंफर्टेबल महसूस न करें।
- ज्यादा एक्सेसरीज कैरी न करें।
- इससे एलर्जी हो सकती है।
- हील्स न पहनें

अंकिता सचदेव, फैशन डिजाइनर

स्टोर और मल्टी स्टोर का चलन बढ़ने से इस प्रोफ़ेशन की डिमांड बहुत बढ़ गई है

बेहतरीन कैरियर बना सकते है

साइलेंट सेलर

जो दिखता है वह बिकता है'' का कॉन्सेप्ट मॉल कल्चर के लिए बहुत मायने रखता है। दुकानों के सामने सिर्फ डिस्प्ले लगाने का दौर अब नहीं रहा। शो-रूम्स में हर चीज इतनी सलीके से रखी हुई मिलती हैं कि कस्टमर

कोई वस्तु खरीदने जाता है, जो अन्य चीजें भी आकर्षित करने लगती हैं। सेल्समैन से कुछ भी पूछने की जरूरत नहीं पड़ती। दरअसल, यह सब विजुअल मर्चेंडाइजिंग का कमाल है, जो अपने आप पूरी एक साइंस है यानी स्टोर में प्रोडक्ट को कैसे डिस्प्ले करना है? वॉल पर क्या कल अच्छा लगेगा? कैसे टारगेट कस्टमर को दुकान या स्टोर के अंदर लाया जाए... इत्यादि। इसीलिए विजुअल मर्चेंडाइजर को 'साइलेंट सेलर'' भी कहा जाता है। रिटेल स्टोर और मल्टी स्टोर का चलन बढ़ने से इस प्रोफ़ेशन की डिमांड बहुत बढ़ गई है।

प्रोफ़ेशनल थीम का जमाना

विजुअल मर्चेंडाइजिंग प्रेजेंटेशन का एक आर्ट है, जिससे किसी चीज की छवि बनाई जाती है। दरअसल, यह मार्केटिंग का ही दूसरा रूप है। एक विजुअल मर्चेंडाइजर का मुख्य ध्येय कस्टमर को प्रोडक्ट के प्रेजेंटेशन के जरिए

लुभाना और उन्हें खरीददारी के लिए प्रोत्साहित करना है, ताकि सेल्स में बढ़ोत्तरी हो। ऐसा करने के लिए स्टोर में चीजों को क्रिएटिव ढंग से लगाना, विंडो डिस्प्ले, विजुअल डिस्प्ले, कलर ब्लॉकिंग, काउंटर तथा इन-काउंटर डिस्प्ले जैसे तमाम तरीके इस्तेमाल किए जाते हैं। मॉल का स्टोर के लिए पिक्चर, ब्रोशर और पोस्टर भी यही लोग तैयार करते हैं ताकि कस्टमल से बिना कुछ बोले कम्युनिकेट किया जा सके। ऐसे प्रोफ़ेशनल थीम के अनुसार अपनी स्ट्रेटेजी बदलते रहते हैं। मसलन, किस मौसम में क्या विंडो थीम रखना है? होली, दीपावली जैसे त्योहारों पर या वैलेंटाइन जैसे मौकों पर स्टोर की विंडो थीम क्या होनी चाहिए?

जॉब की संभावना बहुत ज्यादा है

देश में रिटेल सेक्टर तेजी से विकास कर रहा है। ऑनलाइन शॉपिंग कल्चर भी बढ़ रहा है। वॉलमार्ट, आइटीसी, शॉपर्स स्टॉप, पैंटालून, तनिष्क और टाइटन जैसे ग्रुप छोटे से लेकर बड़े शहरों में दिनोंदिन मल्टीस्टोर खोल रहे हैं।

इसलिए विजुअल मर्चेंडाइजर्स के लिए यहां जॉब की संभावनाएं भी बहुत हैं। मॉल्स, फैशन बूटीक्स, फाइव स्टार होटल्स और रेस्टोरेंट में भी ऐसे प्रोफ़ेशनल्स की भारी डिमांड है। विजुअल मर्चेंडाइजिंग के जानकारों के लिए एम्पोरिया, डिजाइन कंपनी, आर्किटेक्चर फर्म तथा थीम पार्टी ऑर्गेनाइजिंग कंपनीज में भी जॉब के तमाम अवसर हैं। युवा चाहें, तो पार्टटाइम के रूप में फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

करियर स्कोप

विजुअल मर्चेंडाइजर के लिए करियर स्कोप सिर्फ रिटेल सेक्टर में ही नहीं है। ऐसे प्रोफ़ेशनल्स की वैल्यू ई-कॉमर्स कंपनियों में भी बहुत है, जहां ये स्नैपडील, अमेजन जैसी कंपनियों की वेबसाइट का लुक तैयार करते हैं। प्रोडक्ट डिस्प्ले पर काम करते हैं। इसी तरह रेस्टोरेंट और कैफ़े में आजकल सीजनल थीम तय करने का काम यही प्रोफ़ेशनल्स कर रहे हैं। इनके हिसाब से ही खाने-पीने की चीजें कस्टमर को परोसे जाते हैं। स्टोर्स में भी प्रोडक्ट डिस्प्ले के लिए इनकी सेवाएं ली जा रही हैं। अच्छी डिजाइनिंग और फैशन सेंस रखने की वजह से टेक्सटाइल इंडस्ट्री में भी इनके लिए स्कोप लगातार बढ़ रहे हैं।

ग्रॉफिक डिजाइनिंग के जानकार भी यहां करियर बना सकते है

विजुअल मर्चेंडाइजिंग फील्ड में प्रवेश के लिए रिटेल या फैशन मर्चेंडाइजिंग का बैकग्राउंड होना जरूरी है। ग्रॉफिक डिजाइनिंग के जानकार भी यहां करियर बना सकते हैं। वर्तमान में कई इंस्टीट्यूट विजुअल मर्चेंडाइजिंग या फैशन कम्युनिकेशन में डिग्री, डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स ऑफर कर रहे हैं। डिग्री, डिप्लोमा कोर्स युवा ग्रेजुएशन के बाद कर सकते हैं। वहीं, डिग्री प्रोग्राम के लिए किसी भी स्ट्रीम से टेन प्लस टू उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। विजुअल मर्चेंडाइजिंग कोर्स के अंतर्गत स्टूडेंट को रिटेल स्टोर के लेआउट, डिजाइन स्टोर डिस्प्ले, प्रोडक्ट प्रेजेंटेशन, इंटीरियर डेकोरेशन आदि की जानकारी दी जाती है।

जॉब ग्रोथ

इस फील्ड में ग्रोथ बहुत है। अपने काम के आधार पर आप असिस्टेंट लेवल से लेकर क्लस्टर मैनेजर और ब्रांच मैनेजर तक बन सकते हैं। कई बड़ी कंपनियों की डिप्स्ले टीम में ऐसे प्रोफ़ेशनल शॉप फ्लोर मैनेजर, स्टोर विजुअल मर्चेंडाइजिंग को ऑर्डिनेटर, फ्रीलांस विजुएल डिस्प्ले पर्सन, रिटेल विजुअल मर्चेंडाइजर और असिस्टेंट के तौर पर अपनी सेवाएं देते हैं।

सैलरी पैकेज

रिटेलिंग फील्ड में विजुअल मर्चेंडाइजर को काफी आकर्षक सैलरी मिलती है। करियर के शुरुआती दिनों में ऐसे प्रोफ़ेशनल्स को 3.5 लाख रुपए तक सैलरी पैकेज आसानी से मिल जाता है। योग्यता और अनुभव के बल पर दो से तीन वर्षों बाद आपका सेलरी पैकेज 4 से 5 लाख रुपए तक पहुंच जाता है। बड़ी कंपनियों में यह पैकेज और भी अधिक हो सकता है। फ्रीलांसर के रूप में भी इस फील्ड में अच्छी कमाई है।

प्रेजेंटेशन पर बढ़ता जोर

देश की जीड़ीपी बढ़ रही है। खाने-पीने की सुविधा अब बहुत हो गई है। लोगों की स्पेंडिंग कैपिसिटी भी बढ़ गई है। वीकेंड पर घूमने-फिरने का चलन बढ़ रहा है। स्टैंडर्ड लाइफस्टाइल मैंटेन किया जा रहा है। यही वजह है कि देश और विदेश के बड़े ग्रुप के रिटेल स्टोर तेजी से खुल रहे हैं। और उनका विस्तार भी हो रहा है। इनमें प्रतिस्पर्धा भी बढ़ रही है। इसलिए बेहतरीन प्रेजेंटेशन के जरिए प्रोडक्ट बेचने पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। विजुअल मर्चेंडाइजर के लिए स्कोप रेस्टोरेंट और ब्रांडेड नाम वाले खाने-पीने के स्टोर्स में भी बढ़ रहा है। इसलिए युवाओं के लिए यहां बहुत अच्छा क रियर है।

अजवाइन का सेवन हैं अत्येधिक लाभकारी

भारतीय खानपान में अजवाइन का प्रयोग सदियों से होता आया है। अजवाइन पाचन को दुरुस्त रखती है। यह कफ, पेट तथा छाती का दर्द और कृमि रोग में फायदेमंद होती है। साथ ही हिचकी, जी मचलाना, डकार, बदहजमी, मूत्र का रुकना और पथरी आदि बीमारी में भी लाभप्रद होती है।आयुर्वेद के अनुसार अजवाइन पाचक, रुचिकारक, तीक्ष्ण, गर्म, चटपटी, कड़वी और पित्तवर्द्धक होती है। पाचक औषधियों में इसका बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। अकेली अजवाइन ही सैकड़ों प्रकार के अन्न को पचाने वाली होती है। आइए हम आपको अजवाइन के स्वास्थ्य लाभ के बारे में बताते हैं-

पेट खराब होने पर : पेट खराब होने पर अजवाइन को चबाकर खाएं और एक कप गर्म पानी पीएं। पेट में कीड़े हैं तो काले नमक के साथ अजवाइन खाएं। लीवर की परेशानी है तो 3 ग्राम अजवाइन और आधा ग्राम नमक भोजन के बाद लेने से काफी लाभ होगा। पाचन तंत्र में किसी भी तरह की गड़बड़ी होने पर मट्ठे के साथ अजवाइन लें, आराम मिलेगा।

वजन कम करें : अजवाइन मोटापे कम करने में भी उपयोगी होती है। रात में एक चम्मच अजवाइन को एक गिलास पानी में भिगो दें। सुबह छान कर एक चम्मच शहद के साथ मिलाकर पीने से लाभ होता है।

रेसिपी

लजीज मनभावन बनाना खिचड़ी

सामग्री

आधा दर्जन कच्चे केले, 2 चम्मच राजगिरा आटा, मूंगफली दाने 100 ग्राम, जीरा 1 चम्मच, शक्कर 1 चम्मच, काली मिर्च 5-7 बारीक पिसी हुई, हरी मिर्च 4-5 बारीक कटी हुई, हरा धनिया, बड़ा आधा चम्मच घी, नींबू, सेंधा नमक आवश्यकतानुसार।

विधि

सर्वप्रथम मूंगफली दाने को सेंक कर दरदरा पीस लें। कच्चे केले को हल्के उबाल कर छील लें और छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। अब कड़ाही में आधा चम्मच घी लेकर जीरा फ्राई करें एवं हरी मिर्च और केले के पीसेस डाल दें। इसे थोड़ी देर पकने दें। अब इसमें दरदरी पिसी मूंगफली डाल दें और उपरोक्त सारा मसाला डालकर धीमी आंच पर पांच मिनट पकने दें। लीजिए तैयार है कच्चे केले से बनी लजीज फलाहारी खिचड़ी। ऊपर से बारीक कटा हरा धनिया बुरकाकर मिलाएं और नींबू के साथ पेश करें।

फलाहारी मोरधन के चटपटे चीले

सामग्री

1 कटोरी मोरधन, 1 कटोरी उबले मसले आलू, 1 बड़ी चम्मच किशमिश भीगी हुई, 1 कटोरी बारीक कटे टमाटर, आधी कटोरी बारीक कटी ककड़ी, आधी छोटी चम्मच लालमिर्च पावडर, आधी छोटी चम्मच चाट मसाला, थोड़ा-सा कटा हरा धनिया, सेंधा नमक स्वादानुसार।

विधि

मोरधन साफ करें। एक घंटा पूर्व पानी में गला दीजिए। इसमें भीगी किशमिश, मसले उबले आलू, नमक, लालमिर्च पावडर मिलाइए। पानी की सहायता से मिक्सी में चिकना पीसिए। घोल बनाइए। तेल लगाकर चीलों को सुनहरा सेंकिए। तैयार चीलों की एक सतह पर बारीक कटे टमाटर, ककड़ी, हरा धनिया व चाट मसाला छिड़किए। चीला फोल्ड कर गर्म-गर्म सर्व कीजिए।

धूम 4 में नए लुक में नजर आएंगे रणबीर कपूर

रणबीर कपूर फिल्म धूम 4 में नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म में उनका लुक पूरी तरह से नया और अलग होगा, जिसकी तैयारी उन्होंने शुरू भी कर दी है। अब हालिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि धूम 4 अब तक की सभी धूम फिल्मों से बड़ी साबित होने वाली है और इसकी कहानी भी काफी एक्शन से भरपूर होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, आदित्य चोपड़ा धूम 4 की कहानी और स्क्रीनप्ले श्रीधर राघवन के साथ मिलकर तैयार कर रहे हैं। वे फिलहाल ऐसी कहानी के ड्राफ्ट पर काम कर रहे हैं, जो इस रीबूट (किसी पुरानी फिल्म, सीरीज या फ्रेंचाइजी को नई शुरुआत देना) को लेकर दर्शकों की उम्मीदों पर पूरी तरह खरा उतरे। रिपोर्ट में रणबीर और उनके रोल के बारे में कहा कि रणबीर इस फिल्म के लिए बिल्कुल सही हैं। उनका रोल उनकी पर्सनैलिटी के हिसाब से बनाया गया है। नई धूम फिल्म की एक्शन और कहानी ऐसी होगी जो दुनिया के बेहतरीन एक्शन फिल्मों के स्तर पर खड़ी होगी। साथ ही इस फिल्म का अंदाज और दिखावट पहले की ह्रत्रस्न स्पाई यूनिवर्स फिल्मों से पूरी तरह अलग होगा। वहीं, 2026 की गर्मियों से धूम 4 की शूटिंग शुरू करेंगे

फैंस ने जताई खुशी

इस अनाउंसमेंट के बाद यूजर्स के रिएक्शन भी सामने आने लगे हैं। कुछ ने फिल्म में रणबीर कपूर के होने पर खुशी जताई है, जबकि कुछ ने फिल्म में ऋतिक रोशन को कास्ट करने की मांग की है। बताते चलें कि धूम फ्रेंचाइजी की 3 फिल्में, धूम, धूम 2 और धूम 3 रिलीज हो चुकी हैं। पहली फिल्म में अभिषेक बच्चन, जॉन अब्राहम, उदय चोपड़ा अहम किरदारों में थे, जबकि दूसरी फिल्म धूम 2 में अभिषेक बच्चन, ऋतिक रोशन और ऐश्वर्या राय लीड रोल में थे। साल 2013 में रिलीज हुई धूम 3 में आमिर खान ने डबल रोल निभाया था, जबकि उनके साथ कटरीना कैफ भी थीं।

रणबीर कपूर के खाते में कई बड़ी फिल्में

आने वाले सालों में रणबीर कपूर कई बड़ी फिल्मों में नजर आने वाले हैं। फिलहाल उनके पास नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही मेगाबजट फिल्म रामायण है, जिसमें वो भगवान श्री राम का रोल प्ले करेंगे। इसके अलावा वो संदीप रेड्डी वांगा की एनिमल पार्क में भी नजर आने वाले हैं। कुछ समय पहले ही रणबीर ने संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर साइन की है, जिसमें वो विक्की कौशल और आलिया भट्ट के साथ नजर आने वाले हैं। साथ में वो ब्रह्मास्त्र: पार्ट 2 देव में भी दिखेंगे।

श्रीलीला को साउथ में झटका, दो बड़ी फिल्मों से हुई बाहर

दक्षिण भारतीय सिनेमा में इन दिनों मीनाक्षी चौधरी का जलवा साफ दिख रहा है। 'लकी भास्कर' में दुलकर सलमान के साथ और 'द ग्रेटेस्ट ऑफ आल टाइम्स' में विजय के साथ अपने प्रभावशाली अभिनय से पहचान बना चुकी मीनाक्षी साउथ सिनेमा के निर्देशकों की पहली पसंद अरसे से रही हैं। लेकिन, बैक टू बैक दो फिल्मों में उन्हें जब से श्रीलीला की जगह कास्ट किया गया है, इस कास्टिंग कू की हलचल मुंबई तक चर्चा का विषय बन रही है।

एक समय था जब दक्षिण भारतीय फिल्म जगत में श्रीलीला का जादू सिर चढ़कर बोल रहा था, खासकर 'किस्सिक' जैसे हिट गीतों के चलते। लेकिन अब उसी स्पॉटलाइट में मीनाक्षी चौधरी की दमदार मौजूदगी नजर आ रही है। मीनाक्षी ने हाल ही में श्रीलीला को दो बड़ी फिल्मों से रिप्लेस किया है, और यह कोई संयोग नहीं बल्कि उनके बढ़ते प्रभाव का परिचायक है। पहली फिल्म है निर्देशक कार्तिक डंडू की अगली फिल्म जिसमें मीनाक्षी को नागा चैतन्य के साथ मुख्य भूमिका में लिया गया है। बताया जा रहा है कि 'ग्रेटेस्ट ऑफ आल टाइम' में उनके शानदार अभिनय को देखकर ही निर्माता-निर्देशक उन्हें पहली पसंद मान रहे थे। आखिरकार, वही हुआ। मीनाक्षी को इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की मुख्य अभिनेत्री के तौर पर फाइनल कर लिया गया। दूसरी फिल्म है 'अनगनागा ओका राजू', जिसमें पहले श्रीलीला को नवीन पोलीशेट्टी के साथ कास्ट किया गया था। टीज़र रिलीज होने के बाद भी फिल्म कुछ समय के लिए ठंडे बस्ते में चली गई थी, वजह बनीं श्रीलीला की डेट्स की परेशानी। इस मौके का लाभ उठाते हुए, मीनाक्षी ने न केवल फिल्म में जगह बनाई, बल्कि नए टीजर में उनकी और नवीन की ताजगी से भरी कैमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल जीत लिया। सूत्रों की मानें तो तेलुगु और तमिल फिल्म जगत के साथ साथ हिंदी सिनेमा की भी 2026 में रिलीज होने वाली कई बड़ी परियोजनाओं के लिए मीनाक्षी पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। श्रीलीला भले इन दिनों टी सीरीज की अनाम फिल्म में कार्तिक आर्यन के साथ काम कर रही हों, लेकिन प्रोडक्शन से जुड़े सूत्रों की मानें तो उनकी शोहरत और उनकी काबिलियत में संतुलन बनता दिख नहीं रहा। श्रीलीला का नाम पहले फिल्म 'स्पिरिट' के लिए भी चला था लेकिन तृप्ति डिमरी ने वहां बाजी मार ली।

'द इंडिया स्टोरी' के जरिए सोलो हीरो में वापसी

श्रेयस तलपड़े हाल ही में हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'कपकपी' में नजर आए हैं। इस फिल्म में उनकी और तुषार कपूर के बीच अच्छी बॉन्डिंग देखने को मिली है। श्रेयस 'हाउसफुल 5' भी आने वाली है। हाल ही में बातचीत के दौरान श्रेयस ने फिल्म की शूटिंग के अनुभव और भविष्य की योजनाओं पर खुलकर बात की।

फिल्म 'कपकपी' की तुलना 'स्त्री से हो रही है, इस पर आपका क्या कहना है?

यह तो होता ही रहता है। 'स्त्री का कंपैरिजन किसी और से हुआ था। अब रेफरेंस के लिए कहीं न कहीं यह चीजें तो होती ही रहेंगी। मुझे लगता है हर फिल्म की एक अपनी आइडेंटिटी होती है, डेस्टिनी होती है।

फिल्म 'कपकपी' में तुषार कपूर के साथ फिर से काम करने का अनुभव कैसा रहा?

तुषार के साथ शूट करना हमेशा ही अच्छा लगता है। वह मेरे दोस्त हैं। हम उम्र भी हैं और साथ में पहले बहुत सारा काम कर चुके हैं सो एक कंफर्ट लेवल है काम करने का। इस बार दोनों के रोल बड़े अलग थे। तुषार का तो बहुत जबरदस्त रोल है।

'इमरजेंसी में आप अटल जी के रोल में दिखे। क्या आगे कोई बायोपिक करने की योजना है?

बायोपिक हिंदी में अभी तक तो नहीं है, मराठी में एक दो बायोपिक पर काम चल रहा है। अच्छा स्क्रिप्ट स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है। बाकी अटल बिहारी वाजपेयी जी के रोल के लिए लोगों का जो प्यार मिला। उसके लिए आभारी हूं। मेरी कोशिश थी कि उस फिल्म में जितना रोल मिला, जितनी स्क्रीन स्पेस मिला, उसे बतौर अटल शिद्दत से प्ले करूं और मैंने किया भी।

क्या दर्शक आपको सोलो एक्शन हीरो के रूप में देखेंगे?
जरूर देखेंगे। एक फिल्म है जिसका नाम है ''द इंडिया स्टोरी जिसमें मैं हूं और काजल अग्रवाल है। वह फिल्म भी तैयार हो रही है। अगले साल तक रिलीज भी होगी। उसमें दर्शक मेरा एक अलग तरह का रूप देखेंगे।

क्या कोई नया साउथ प्रोजेक्ट साइन किया है?

नहीं, अभी अभी नहीं, फिलहाल तो यह 'पुष्पा तक ही किया है। इसके दो पार्ट्स किए हैं और वह जो 'द लायन किंग आपने मेंशन किया है उसके दो पार्ट किए हैं। यह तो डबिंग के तौर पर था, लेकिन बतौर एक्टर एक साउथ में फिल्म की है जो एक्चुअली कन्नड़ प्रोड्यूसर की है। फिल्म हिंदी में है, लेकिन हिंदी के साथ-साथ अलग-अलग लैंग्वेज में भी डब होगी। उसका पोस्ट प्रोडक्शन चल रहा है। बाकी मैं खुद को बहुत खुशनसीब समझता हूं कि एक डब की हुई फिल्म के लिए मुझे जितना प्यार मिला है, जितनी सराहना मिली है, शायद ही किसी को ऐसा प्यार मिलता है।

खुद की देखभाल शुरू करने के लिए उम्र बाधा नहीं

कैंसर से जंग जीत चुकीं अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने अपने प्रशंसकों को प्रेरित करते हुए कहा है कि खुद की देखभाल शुरू करने के लिए उम्र कोई बाधा नहीं है। 54 वर्षीय अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी जिम की तीन तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें वह अपनी दोस्त के साथ एथलीजर पहने नजर आईं। उन्होंने अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए शरीर, मन और आत्मा की देखभाल को प्राथमिकता देने की बात कही। शेयर की गई तस्वीरों के साथ मनीषा ने कैप्शन में लिखा, शायद मुझे यह समझने में थोड़ा वक्त लगा, लेकिन अब मैं पूरी तरह से अपनी सेहत और खुशी के लिए समर्पित हूं, मैंने ध्यान देना शुरू कर दिया है। मनीषा ने जीवन में उन्हें फिटनेस और जीवन के प्रति सकारात्मक नजरिए के लिए प्रेरित करने वाली दोस्त नमग्याल सिंह का आभार जताते हुए कहा, जीवन में ऐसी बेहतरीन दोस्त को पाकर धन्य हूं, जो मुझे प्रेरित करती है। वह न केवल फिटनेस में बल्कि इस बात में भी कि कैसे वह जीवन के सबसे कठिन समय को ताकत और मुस्कान के साथ हरा देती हैं। मेरी दोस्त की ताकत और मुस्कान मुझे सिखाती है कि मुश्किल वक्त को भी हिम्मत से पार किया जा सकता है। 1991 में फिल्म 'सौदागर' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली मनीषा 90 के दशक की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक रही हैं। '1942- ए लव स्टोरी', 'दिल से', 'खामोशी- द म्यूजिकल' जैसी फिल्मों में उनके अभिनय ने उन्हें खूब शोहरत दिलाई।

सनी कौशल का रैप डेब्यू मिड एयर फ्रीवर्स हुआ रिलीज

बॉलीवुड एक्टर सनी कौशल ने अपना नया रैप गाना मिड एयर फ्रीवर्स आज रिलीज़ किया , यह गाना उन्होंने मास अपील नाम की म्यूजिक कंपनी के साथ मिलकर बनाया है। शिद्दत फिल्म से पहचान बनाने वाले सनी ने इस गाने के बोल खुद लिखे हैं और इसे गाया भी है। गाने में सनी का पंजाबी अंदाज़ साफ नजर आता है। उनकी आवाज भी बहुत जबरदस्त है जो गाने को और खास बनाती है। वीडियो में सनी ब्लैक सूट, दाढ़ी और स्टाइलिश चश्मे में बहुत स्मार्ट लग रहे हैं। उनका लुक गाने की वाइब से पूरी तरह मेल खाता है। सनी कौशल ने कहा- ये एक बहुत मजेदार गाना है। मैंने इसे दिल से बनाया है और मुझे इसे बनाते हुए बहुत मजा आया। उम्मीद है कि लोगों को भी इसे सुनकर उतना ही मजा आएगा। मास अपील के हेड नवजोत सिंह ने कहा- जब सनी के साथ इस गाने पर काम करने का मौका मिला, तो हमने तुरंत हां कह दिया। गाना बहुत अच्छा था और सनी का म्यूजिक को लेकर जोश देखकर हमें भरोसा हो गया कि ये सभी को पसंद आएगा। सनी कौशल अब तक शिद्दत, फिर आई हसीन दिलरुबा, मिली जैसी फिल्मों में अपने अलग-अलग किरदारों से लोगों को इम्प्रेस कर चुके हैं। लेकिन इस नए गाने में उन्होंने खुद को एक नए अंदाज़ में दिखाया है जो पहले कभी नहीं देखा गया। सनी ने गाने का टीज़र एक दिन पहले शेयर किया था, जिसे देखकर फैंस बहुत एक्साइटेड हो गए। उनका स्टाइल और लुक सभी को बहुत पसंद आया।

'इंडियन आइडल 2' में हुईं रिजेक्ट, एआर रहमान संग किया काम; बन गईं क्वीन ऑफ रीमिक्स

आज नेहा कक्कड़ बॉलीवुड की पॉपुलर सिंगर्स में शामिल हैं लेकिन यह जर्नी उनके लिए आसान नहीं रही है। ऋषिकेश में जन्मी और दिल्ली में पली-बढ़ी नेहा कक्कड़ ने 4 साल की उम्र से माता रानी के जगरातों में गाना शुरू कर दिया था। साल 2004 में वह अपने भाई टोनी कक्कड़ के साथ मुंबई शिफ्ट हो गईं। नेहा कक्कड़ की बड़ी बहन सोनू भी सिंगर हैं, नेहा अक्सर अपने इंटरव्यू में कहती हैं कि बहन से म्यूजिक के बारे में काफी कुछ सीखा है। नेहा का भाई टोनी कक्कड़ भी बॉलीवुड में पॉपुलर सिंगर-कंपोजर है। इस तरह ये भाई-बहनों की जोड़ी बॉलीवुड में छा चुकी है। लेकिन नेहा कक्कड़ ने अपने लिए एक अलग मुकाम बना लिया है। एक नजर सिंगर नेहा कक्कड़ की करियर जर्नी पर। नेहा कक्कड़ ने साल 2005 में 'इंडियन आइडल 2' में हिस्सा लिया था। ऑडिशन राउंड में ही उन्हें अच्छा रेस्पॉन्स नहीं मिला। फिर भी वह शो में सेलेक्ट हुईं लेकिन जल्द ही बाहर हो गईं। इस रिजेक्शन से नेहा हारी नहीं, वह खुद पर काम करती रहीं। आगे चलकर अपना पहला एल्बम 'नेहा द रॉकस्टार(2008)' मीत ब्रदर्स के साथ मिलकर निकाला। इसी साल नामी सिंगर सुखविंदर के साथ 'हे रामा' नाम का गाना फिल्म 'मीराबाई नॉट आउट' फिल्म के लिए गाया।

ऐसे बनीं बॉलीवुड की पॉपुलर सिंगर

साल 2009 में अक्षय कुमार स्टारर फिल्म 'ब्लू' के थीम सॉन्ग में गाने का मौका नेहा कक्कड़ को मिला। जिस गाने को नेहा ने गाया, उसे ए आर रहमान ने तैयार किया। इस गाने के बाद नेहा ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। नेहा ने आगे 'कॉकटेल', 'यारियां', क्वीन, ब्रदीनाथ की दुल्हनिया, सिंबा जैसी कई हिट फिल्मों में चार्टबस्टर सॉन्ग गाए हैं। साथ ही वह अपने म्यूजिक कॉन्सर्ट के लिए भी चर्चा में रहती हैं।

नेहा कक्कड़ ने कई फिल्मों में पुराने गानों के रीमिक्स भी गाए हैं। इस वजह से वह क्वीन ऑफ रीमिक्स कहीं जाने लगी हैं। इस टैग के बारे में नेहा कक्कड़ ने अपने एक इंटरव्यू में कुछ साल पहले कहा था, 'मैंने 'साकी साकी', 'दिलबर ' और 'तू चीज बड़ी है मस्त' जैसे रीमिक्स सॉन्ग फिल्मों के लिए गाए हैं। ऑडियंस ने इन गानों के लिए खूब प्यार भी दिया है। मुझे भी पुराने गाने पसंद हैं इसलिए इनके रीमिक्स मन से गाती हूं।' आगे भी नेहा की ख्वाहिश कई पुराने हिट सॉन्ग को रिमिक्स करके गाने की है।

चर्चा में रही लव लाइफ भी

नेहा कक्कड़ सिर्फ अपनी सिंगिंग के लिए ही लाइमलाइट में नहीं रहीं, वह अपनी लव लाइफ के कारण भी खबरों में बनी रही हैं। साल 2014 में एक्टर हिमांश कोहली के साथ उनका लव अफेयर चर्चा में रहा। शादी करने की घोषणा भी दोनों कर चुके थे, फिर अचानक इनका ब्रेकअप हो गया। हिमांश कोहली के बाद नेहा की जिंदगी में पंजाबी सिंगर रोहनप्रीत सिंह की एंट्री हुई। नेहा कक्कड़ की जिंदगी में फिर प्यार की बहार आई। रोहनप्रीत के साथ साल 2020 में नेहा कक्कड़ ने शादी कर ली। नेहा कक्कड़ ने एक इंटरव्यू में कहा था, 'रोहन बहुत प्यारे इंसान हैं। वह कभी कुछ गलत नहीं करते हैं।' नेहा और रोहन साथ में कई म्यूजिक एल्बम भी कर चुके हैं। जिन्हें नेहा कक्कड़ के फैंस काफी पसंद करते हैं। नेहा को नेहू के नाम से उनके फैंस बुलाते हैं। इस नाम से सोशल मीडिया पर कई फैन पेज भी चलते हैं। खुद नेहा कक्कड़ भी इंस्टाग्राम पर रोहन और अपनी रोमांटिक तस्वीरें साझा करती हैं, जिन्हें फैंस खूब लाइक करते हैं।

लोकेश की फिल्म का हिस्सा बने आमिर खान

आ मिर खान इन दिनों फिल्म सितारे जमीन पर को लेकर सुर्खियों में हैं। इसी बीच उनकी अगली फिल्म को लेकर बड़ा अपडेट सामने आ रहा है। आमिर जल्द ही लियो के निर्देशक लोकेश के साथ फिल्म करने वाले हैं। खुद मीडिया से हुई हालिया बातचीत में आमिर ने इस पर अपनी मोहर लगा दी है। आमिर की ये फिल्म सुपरहीरो पर बेस्ड होगी। कुछ ऐसा होगा, जो इससे पहले आमिर ने कभी नहीं किया। आमिर ने बताया कि लोकेश संग उनकी फिल्म फाइनल हो चुकी है। दादा साहेब फाल्के की बायोपिक का काम निपटाने के बाद वह अगले साल के मध्य तक इस फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। हालांकि, आमिर ने फिल्म की कहानी पर बात नहीं की। उन्होंने कहा कि इस बारे में बात करना अभी जल्दबाजी होगी।

सुनपुरा में अतिक्रमण पर चला बुल्डोजर

जमीन की कीमत करीब 40 करोड़ रुपये का आंकलन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने ग्राम सुनपुरा में अधिसूचित एरिया पर अतिक्रमण के खिलाफ मंगलवार को बुल्डोजर चलाया। प्राधिकरण ने करीब 20 हजार वर्ग मीटर जमीन को अतिक्रमण मुक्त करा लिया है। कालोनाइजर इस जमीन पर अवैध निर्माण करने की कोशिश रहे थे।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने अधिसूचित एरिया में अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। प्राधिकरण की टीम अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की टीम मंगलवार को सुनपुरा गांव में कार्रवाई की। प्राधिकरण की एसीईओ प्रेरणा सिंह ने बताया कि कालोनाइजर ग्रेटर नोएडा के अधिसूचित एरिया ग्राम सुनपुरा के खसरा संख्या-429 की लगभग 20000 वर्ग मीटर जमीन पर अवैध कालोनी काटने की कोशिश कर रहे थे। बिना नक्शा पास कराए अवैध निर्माण पर रोक लगाने के लिए प्राधिकरण की तरफ से कई बार नोटिस जारी की गई, लेकिन कालोनाजर चोरी-छिपे बनाने की कोशिश कर रहे। मंगलवार को परियोजना विभाग के महाप्रबंधक एके सिंह, विशेष कार्याधिकारी जितेंद्र गौतम, वर्क सर्किल दो के प्रभारी सन्नी यादव, वर्क सर्किल-7 के वरिष्ठ प्रबंधक नरोत्तम सिंह, प्रबंधक स्वतंत्र वर्मा, प्रबंधक बृजेन्द्र कुमार कुशवाहा, नितीश कुमार, अभिषेक पाल, विवेक किशोर व अन्य स्टाफ ने मिलकर पुलिस और सुरक्षा कर्मियों की मदद से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की।

प्राधिकरण की टीम ने 06 जेसीबी और 5 डंपर की मदद से तीन घंटे में कार्रवाई संपन्न की। मुक्त कराई गई जमीन की कीमत 40 करोड़ रुपये से अधिक होने का आंकलन है। एसीईओ प्रेरणा सिंह ने अतिक्रमण करने वाले को चेतावनी दी है कि सुनपुरा ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की अधिसूचित एरिया में है। प्राधिकरण की अनुमति के बिना या फिर बिना नक्शा पास कराए अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एसीईओ ने लोगों से अपील की है कि ग्रेटर नोएडा में कहीं भी जमीन खरीदने से पहले प्राधिकरण से संपर्क कर पूरी जानकारी जरूर प्राप्त कर लें। अवैध कॉलोनी में अपनी गाढ़ी कमाई न फंसाएं।

औद्योगिक सेक्टरों में राहगीरों व श्रमिकों से होती है लूटपाट : एनईए

अपर पुलिस आयुक्त के सामने उद्यमियों ने समस्याओं को रखा

नोएडा (चेतना मंच)। एनईए सभागार में अपर पुलिस आयुक्त (लॉ एण्ड आर्डर) राजीव नारायण मिश्रा के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया। एन.ई.ए. अध्यक्ष विपिन कुमार मल्हन ने अपर पुलिस आयुक्त राजीव नारायण मिश्रा, पुलिस उपायुक्त यमुना प्रसाद एंव पुलिस उपायुक्त (यातायात) लखन सिंह को पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया।

इस अवसर पर एनईए के सदस्यों ने पुलिस अधिकारियों के सामने उद्यमियों से जुड़ी समस्याएं रखीं। एनईए अध्यक्ष विपिन कुमार मल्हन ने पुलिस अधिकारियों को बताया कि औद्यौगिक इकाईयों में चोरी-चकारी की घटनाएं धटित होने पर उद्यमियों को एफ्आईआर दर्ज कराने के लिए थानों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। उद्यमियों की समस्याओं के निपटान के लिए फेस-1, फेस-2 तथा फेस-3 के थानों मे अलग से हैल्प-डैस्क बनाया जाए। श्रमिकों एंव उद्यमी के मध्य कोई विवाद उत्पन्न होने पर यदि कोई श्रमिक थाने में जाता है तो पुलिस कर्मियों द्वारा उद्यमी का पक्ष नही सुना जाता, सीधे उद्यमी को ही दोषी ठहरा दिया जाता है ।

बैटरी रिक्शा, थ्री-व्हीलर चालकों द्वारा किसी भी मार्ग पर अपना वाहन लेकर सड़क के बीचों बीच सवारियॉ बैठाते हैं, इसी प्रकार मैट्रो स्टेशनों के नीचे तथा सैक्टर-62, इलैक्ट्रोनिक सिटी के पास बैटरी रिक्शा झुंड बनाकर खडे रहते हैं, जिसके कारण पीक अवर्स में अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है ।

औद्यौगिक क्षेत्रों में आये दिन बदमाशों द्वारा राहगीरों/इकाईयों के कार्यरत श्रमिकों से दिन दहाडे आभूषण, पर्स, मोबाईल इत्यादि झपटने तथा साईकिल, मोटर साईकिल चोरी की घटनाएं घटित होती रहती हैं ।

औद्यौगिक इकाईयों में माल लोडिंग अन लोडिंग हेतु इकाई कें बाहर खडे वाहनों के चालान दिन में तथा रात्रि को भी कर दिये जाते है।

नौएडा के अधिकांशत: चौराहों पर भिक्षा मॉगने वाले तथा बच्चों की संख्या बढ़ती जा रही है। इनके सडकों के बीच खड़े होने पर यातायात भी प्रभावित होता है।

औद्यौगिक सैक्टरों में सड़क के किनारे व इकाई की चार दीवारी के साथ तथा अन्दरूनी सड़कों में अवैध रूप से माल वाहक वाहन (टैम्पों, ट्रक, कन्टेनर) इत्यादि खड़े रहते हैं जिसके कारण यातायात अवरूद्ध हो जाता है ।

सैक्टर-11 में सैक्टर-1 से आने वाले चौराहे में रेड लाईट पर कोराना काल से अनावश्यक रूप से बैरियर लगाये गये है जिसके कारण सैक्टर-11 की ओर आने-जाने वाले वाहनों को काफी घूम कर अपनी इकाई में जाना पड़ता है।

उद्यमियों की समस्याओं को सुनने के पश्चात अपर पुलिस आयुक्त लॉ एण्ड आर्डर राजीव नारायण मिश्रा ने कहा कि उद्यमियों की उपरोक्त सभी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा । इकाईयों के पास लगी ठेलियों या पार्क के किसी भी प्रकार का नशा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी।

बैठक में एन.ई.ए. के महासचिव वी.के सेठ, वरि उपाध्यक्ष राकेश कोहली, हरीश जोनेजा, मुकेश कक्कड, उपाध्यक्ष आर0एम0 जिंदल, सुधीर श्रीवास्तव, अजय सरीन, सचिव आलोक गुप्ता, विरेन्द नरूला, मंयक गुप्ता आदि उद्यमी उपस्थित थे।

10 साल पहले लापता हुए बच्चे को नोएडा पुलिस ने ढूंढा

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा कमिश्नरेट पुलिस की कड़ी मेहनत ने नोएडा के एक परिवार का घर 10 साल बाद खुशियों से भर दिया है। नोएडा के गेझा गांव से दस साल पहले लापता हुए बच्चे को ढूंढकर नोएडा पुलिस ने बड़ा काम कर दिया है। दस साल बाद बच्चे के सकुशल घर लौटने पर परिवार में जश्न का माहौल है।

गेझा गांव से 10 साल पूर्व लापता हुए बच्चे को थाना फेस 2 पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है। बच्चे के सकुशल बरामद होने पर परिजनों ने कमिश्नरेट गौतम बुद्ध नगर पुलिस का आभार जाताया है। बच्चों के सकुशल मिलने से परिजनों में जश्न का माहौल है। वर्ष 2015 में 7 वर्षीय हिमांशु गेझा गांव में भंडारा खाने गया था। इस दौरान वह संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया था।

डीसीपी क्राइम शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि पुलिस ने वर्ष 2015 नवंबर में गायब हुए बच्चे की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की थी। पुलिस बच्चे की तलाश में जुटी हुई थी। धीरे-धीरे समय बीतता चला गया और परिजन हिमांशु के मिलने की आस खो बैठे थे। हालांकि पुलिस गायब हिमांशु की तलाश में लगी हुई थी। खोजबीन के दौरान थाना फेस 2 पुलिस का संपर्क एक मामले में हरियाणा की फरीदाबाद पुलिस से हुआ और हिमांशु के बारे में अहम जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस ने परिजनों से 10 साल पूर्व लापता हुए हिमांशु की शिनाख्त कराई। हिमांशु को मंगल नाम का आरोपी अपने साथ फरीदाबाद के सूरजकुंड ले गया था। मंगल इस समय फरीदाबाद की जेल में बंद है।

हिमांशु की पहचान होने के बाद पुलिस ने हिमांशु को सकुशल बरामद कर लिया और परिजनों को सौंप दिया। 10 वर्ष बाद बिछड़े बेटा मिलने से परिजनों में खुशी का माहौल है। परिजन कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर पुलिस की प्रशंसा कर रहे हैं।

अपर पुलिस आयुक्त से मिले संस्था के सदस्य

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा सिटीजन फोरम के पदाधिकारियों ने अध्यक्ष डा. महेश अग्रवाल के नेतृत्व में नोएडा पुलिस कमिश्नरेट के अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (कानून-व्यवस्था) डॉ. राजीव नारायण मिश्रा से शिष्टाचार भेंट कर संस्था की ओर से उनका स्वागत किया।

इस अवसर पर नोएडा से संबंधित विभिन्न विषयों व शहर की कानून-व्यवस्था की बेहतरी के संबंध में विस्तृत चर्चा की।

इस अवसर पर NCF के महासचिव प्रशांत त्यागी, वरि. उपाध्यक्ष चक्रधर मिश्रा, उपाध्यक्ष मधु मेहरा, कोषाध्यक्ष राहुल मुंद्रा, सचिव अंकित अरोरा व गरिमा त्रिपाठी भी उपस्थित थे।

फेलिक्स अस्पताल ने जागृति अपार्टमेंट में लगाया स्वास्थ्य शिविर

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-71 स्थित जागृति अपार्टमेंट में एक नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसका सफल संचालन फेलिक्स अस्पताल की सहयोगी चिकित्सा टीम द्वारा किया गया।

इस अवसर पर आरडब्ल्यूए (रेज़िडेंट वेलफेयर एसोसिएशन) की ओर से शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में निवासियों ने भाग लिया। कुल 42 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई। शिविर में आए सभी लोगों को मुफ्त जनरल फिजिशियन कंसल्टेशन, ब्लड प्रेशर जांच, रैंडम ब्लड शुगर टेस्ट, हाइट-वज़न मापन, तथा पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट (PFT) की सुविधा दी गई।

फेलिक्स अस्पताल से आए वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सचिन ने मरीजों की जांच की और उन्हें उनके स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर आवश्यक सलाह दी।

डॉ. सचिन ने बताया कि आज की जीवनशैली में नियमित स्वास्थ्य जांचें बेहद आवश्यक हैं, क्योंकि कई बीमारियाँ शुरुआती अवस्था में बिना लक्षण के होती हैं, और समय पर पकड़ में आने से उनका इलाज आसान हो जाता है।

आरडब्ल्यूए अध्यक्ष ने फेलिक्स अस्पताल की टीम का धन्यवाद करते हुए कहा कि हमारे लिए यह गर्व की बात है कि हमारी सोसाइटी में ऐसे स्वास्थ्य शिविर आयोजित हो रहे हैं।

सरकारी विभागों में लागू करें ई-ऑफिस प्रणाली : डीएम

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी गौतमबुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में शासकीय कार्य प्रणाली को पूर्णत: पेपरलेस बनाने के लिए सभी विभागों में ई-ऑफिस प्रणाली के शत-प्रतिशत क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने कहा कि वर्तमान समय की आवश्यकता है कि सभी कार्यालयों की कार्यशैली आधुनिक और पारदर्शी हो। इस दिशा में ई-ऑफिस प्रणाली महत्वपूर्ण कदम है जिससे न केवल कार्य में गति आएगी, बल्कि कागजी कार्यवाही से भी मुक्ति मिलेगी। उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया कि वे अपने विभागों में पत्राचार कार्य केवल डिजिटल सिग्नेचर के माध्यम से ई-ऑफिस प्रणाली पर ही करें।

बैठक में जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) मंगलेश दुबे को निर्देशित किया कि वे ई-ऑफिस प्रणाली के क्रियान्वयन की निरंतर मॉनिटरिंग करें और यह सुनिश्चित करें कि सभी विभागों में केवल ई-ऑफिस के माध्यम से ही पत्राचार हो। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि किसी कार्यालय में इस प्रणाली को लागू करने में लापरवाही पाई जाती है तो संबंधित विभागाध्यक्ष का वेतन रोका जाएगा।

बैठक में अपर जिलाधिकारी मंगलेश दुबे, डिप्टी कलेक्टर वेद प्रकाश पांडे, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, जिला क्रीड़ा अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

कांग्रेस संगठन सृजन अभियान के तहत कार्यशाला

नोएडा (चेतना मंच)। महानगर कांग्रेस कमेटी द्वारा संगठन सृजन अभियान की कार्यशाला का आयोजन सेक्टर-52 में किया गया। इस कार्यशाला में नोएडा के नेता, कार्यकर्ता, फ्रंटल प्रकोष्ठ और महानगर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता मुकेश यादव ने की। इस कार्यशाला में संगठन को मजबूत बनाने और नोएडा के ब्लॉक स्तर की कमेटियां गठित करने पर चर्चा की गई।

नरेश कुमार भाटी कोऑर्डिनेटर ने कहा कि नोएडा के ब्लॉक स्तर की कमेटियां और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया गया है। उन्होंने कहा कि हर वरिष्ठ कांग्रेसी और कार्यकर्ता को सम्मान देने का काम करेंगे। संगठन सृजन अभियान की कार्यशाला में लिए गए निर्णयों से नोएडा के लोगों को कांग्रेस पार्टी से और अधिक जुड़ने का अवसर मिलेगा। कांग्रेस पार्टी नोएडा के लोगों की समस्याओं का समाधान करने और उनके साथ खड़ी रहने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुकेश यादव ने कहा कि संगठन सृजन अभियान के तहत हम नोएडा के हर बूथ तक पहुंचेंगे और लोगों की समस्याओं का समाधान करेंगे।

सुभाष गांधी को संगठन सृजन अभियान के तहत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। वह नोएडा के ब्लॉक स्तर की कमेटियों के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

कार्यशाला में प्रदेश सचिव पुरूषोतम नागर, प्रदेश कॉर्डिनेटर सोशल मीडिया पवन शर्मा, राष्ट्रीय सचिव अल्पसंख्यक लियाकत चौधरी, चरण सिंह यादव, राजकुमार त्यागी, रामकुमार शर्मा, विक्रम चौधरी, दयाशंकर पांडेय, एस एस सिसोदिया, श्याम त्यागी, जगपाल चौहान, दीपक कुमार, बिनोद जाटव सहित कई अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राजकीय इंटर कॉलेज में हुआ समर कैंप का समापन

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-12 स्थित राजकीय इंटर कॉलेज में 20 दिवसीय समर कैंप का मंगलवार को धूमधाम से रंगारंग समापन हो गया।

राजकीय इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या डॉक्टर ऋतु सिंह ने बताया कि समर कैंप के दौरान छात्र-छात्राओं ने जो भी कौशल सीखा और बनाया उसकी प्रदर्शनी छात्रों द्वारा आयोजित की गई। आर्ट एंड क्राफ्ट में लिपिन आर्ट, सिरेमिक वर्क, खाली बोतल से बहुत ही सुंदर मॉडल जहां एक ओर मन को मोह रहे थे।

वहीं थिएटर आर्टिस्ट रवि के द्वारा सिखाए गए कौशल थिएटर आर्ट का प्रदर्शन जो कि अर्थ सेव प्लांट्स था का सफल मंचन छात्रों द्वारा किया गया। वहीं दूसरी ओर मोनो एक्ट ब्रेन वर्सिज इविल स्पिरिट का बेहद सुंदर प्रदर्शन छात्रों के द्वारा किया गया। इस्कॉन टीम के द्वारा प्रशिक्षित छात्रों ने वेब डेवलपमेंट, वेब डिजाइन, डाटा एनालिसिस पर आधारित पीपीटी को प्रदर्शित किया। छात्रों ने पूरे समर कैंप के दौरान जो वीडियो शूट किए थे उनका भी प्रदर्शन किया गया। राजकीय इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य डॉक्टर रितु सिंह की ये अनोखी पहल थी जिसमें छात्रों ने अपनी रुचि के अनुसार विभिन्न कलाएं एवं तकनीकी की बारीकियां सीखीं की। बाद में इस्कॉन टीम के प्रभु चिन्मयानंद तथा जीवा गोस्वामी जो आईआईटी दिल्ली से हैं के द्वारा कीर्तन का आयोजन छात्र-छात्राओं के मन में स्फूर्ति का संचार कर दिया तथा प्रसाद ग्रहण कर छात्र-छात्राओं ने समर कैंप के आयोजन को सुखद अनुभूति बताया तथा प्रशिक्षकों ने उत्तम व्यवस्था की भूरि भूरि प्रशंसा की।

डॉक्टर रितु सिंह ने सभी अतिथियों जिला समन्वयक गौरव त्यागी, श्रीमती पियाली राय एवं इस्कॉन से आए हुए अतिथि जिनमें अधिकतर आईआईटी से पढ़े हुए हैं और कारपोरेट जगत के जाने-माने नाम हैं। सभी ने अपने अनुभव को साझा किया। कुल मिलाकर समर कैंप छात्रों के सर्वांगीण विकास में मील का पत्थर साबित होगा।